हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 247 बेमेतरा, शनिवार 02 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

हर बूंद से अधिक उत्पादन की दिशा में बड़ा कदम

बगिया समृद्धि एम-कैड योजना से 13 गांवों में होगी सिंचाई

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के गृह ग्राम बगिया में समृद्धि कमांड क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन आधुनिकीकरण (एम-कैड) योजना के अंतर्गत बगिया दाबित उद्वहन सिंचाई प्रणाली के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बगिया समृद्धि एम-कैड योजना केवल एक सिंचाई परियोजना नहीं, बल्कि हर बूंद से अधिक उत्पादन की सोच का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसके सफल क्रियान्वयन से जशपुर जिला देश के लिए आधुनिक दाबित सिंचाई प्रणाली का मॉडल बनेगा और किसानों को समृद्धि की नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत पारंपरिक नहर प्रणाली के स्थान पर आधुनिक प्रेसराइज्ड पाइप इरिगेशन नेटवर्क विकसित किया जाएगा। भूमिगत पाइपलाइन व्यवस्था से जल का अपव्यय रुकेगा, जल उपयोग दक्षता बढ़ेगी और भूमि अधिग्रहण की समस्या भी नहीं आएगी। अब तक वर्षा पर निर्भर रहने वाले किसानों को इस योजना से वर्षभर सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बगिया समृद्धि एम-कैड योजना न केवल सिंचाई व्यवस्था को आधुनिक बनाएगी, बल्कि कृषि को

तकनीक आधारित, टिकाऊ और लाभकारी दिशा में आगे बढ़ाएगी। यह परियोजना जशपुर को राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल एग्री-इरीगेशन डिस्ट्रिक्ट के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारे अन्नदाताओं को समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना कांसाबेल विकासखंड के बगिया क्लस्टर में मैनी नदी पर बगिया बैराज सह दाबित उद्वहन सिंचाई योजना के माध्यम से लागू की जा रही है। इसके तहत बगिया, उसकुटी, रजोती, सुजीबहार, चोंगरीबहार, बांसबहार, डोकड़ा, सिकरिया, पतराटोली, गहिराडोहर, बीहाबल, नरियरडांड एवं ढुढुडांड सहित 13 गांवों के लगभग 4933 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के 23 राज्यों में स्वीकृत 34 एम-कैड परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ का बगिया क्लस्टर एकमात्र चयनित परियोजना है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा 95.89 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जबकि परियोजना की कुल लागत लगभग 119 करोड़ रुपये है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि यह योजना क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी और किसानों को स्थायी आय का आधार प्रदान करेगी।

फिल्ड पर शालीनता और संवेदनशीलता से पेश आएं

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रशासनिक व्यवस्था को जनकेंद्रित और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से शासकीय अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं कि वे आमजन के साथ शालीनता, धैर्य और सम्मान के साथ व्यवहार करें. उन्होंने दो टूक कहा कि मुख्यालय और फ़ील्ड स्तर पर शासकीय अधिकारी ही शासन का चेहरा होते हैं, इसलिए उनका आचरण शासन की छवि को प्रभावित करता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सुनना प्रशासनिक अधिकारियों का पहला कर्तव्य है. उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समाधान पर केंद्रित रहें. उन्होंने स्पष्ट किया कि संवाद तभी सार्थक है, जब उसमें संवेदना और समस्याओं का समाधान करने की नीयत हो.उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागों में जनसमस्याओं के निराकरण को प्रभावी, सरल और भरोसेमंद बनाया जाए. जब कोई आम नागरिक किसी शासकीय कार्यालय पहुंचे, तो उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जा रही है

संक्षिप्त समाचार

ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी जीतू सैनी का एनकाउंटर

बुलंदशहर। जिले के खुर्जा स्थित एक जिम में बीते दिनों हुए ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी जीतू सैनी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई. जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से मुख्य आरोपी की मौत हो गई. वहीं बुधवार रात पुलिस ने दो इनामी बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था. दोनों बदमाशों पर 50-50 हजार का इनाम घोषित किया गया था. बता दें कि पुलिस ने तिहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी जीतू सैनी को पकड़ने के लिए गुरुवार सुबह सिकंदरपुर गांव के पास दबिश दी थी. पुलिस को देखते हुए जीतू सैनी ने फायरिंग शुरू कर दी. ऐसे में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की. इस दौरान जीतू को 2 गोलियां लगी. जिसके बाद पुलिस ने जीतू सैनी को घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था. इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई

कटनी में 4 लोगों की दर्दनाक मौत, कार में चिपक गए शव

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में सुबह करीब 5 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां एक अनियंत्रित हाईवा डंपर ने सामने से आ रही कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण भिड़ंत में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान तम दोड़ दिया। वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों का जिला अस्पताल कटनी में इलाज जारी है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। यह पूरी घटना बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बसाडी के पास की है। जानकारी के अनुसार, नरसिंहपुर जिले के सगोरिया निवासी रघुवंशी परिवार के सदस्य एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए बरही थाना क्षेत्र के पिपरिया कला खिरहनी गए थे। कार्यक्रम होने के बाद रात करीब 02=00 बजे पांचों सदस्य- अनिल रघुवंशी, राकेश रघुवंशी, अरुण रघुवंशी, अभिषेक रघुवंशी और गजेंद्र रघुवंशी कार से वापस नरसिंहपुर के लिए रवाना हुए थे। मृतक के परिजन भैरव सिंह रघुवंशी ने बताया कि जैसे ही उनकी कार बसाडी चौराहे के समीप पहुंची।

करिश्मा कपूर के बच्चों को हाई कोर्ट से राहत

नईदिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों समायरा कपूर और कियान कपूर द्वारा दायर अंतरिम रोक की याचिका को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने बच्चों की सौतेली मां प्रिया कपूर को संजय कपूर द्वारा छोड़ी गई संपत्तियों को नष्ट करने या बेचने से रोक दिया है। सुनवाई के दौरान जज ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि संपत्तियों को नष्ट या खत्म नहीं किया जाना चाहिए। इन संपत्तियों का संरक्षण किया जाना आवश्यक है। कोर्ट ने बड़ा आदेश जारी करते हुए दिवंगत व्यवसायी संजय कपूर की लगभग 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। पिछले साल जून में लंदन में हुए उनके निधन के बाद उनकी तीसरी पत्नी प्रिया सचदेवा कपूर और उनकी दूसरी पत्नी, करिश्मा के बच्चों के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है।

ईरान का बड़ा दावा

पूरी तरह स्वस्थ हैं हमारे सुप्रीम लीडर खामेनेई...

ईरान। ईरान की विशेषज्ञ सभा के सदस्य और सर्वोच्च नेता के कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप-प्रमुख अयातुल्ला मोहसेन क़ोमी ने मुजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर फैल रही अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। क़ोमी ने कहा कि ऐसी खबरें पश्चिमी देशों द्वारा प्रतिक्रिया भड़काने और अफवाहें फैलाने के प्रयासों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि नेता के स्वास्थ्य के बारे में पूछे जा रहे सवालों का इस्तेमाल ईरानी अधिकारियों पर सार्वजनिक रूप से जवाब देने का दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, कुछ लोग हमारे सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला सैयद

मुजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य के बारे में पूछते हैं। यह दुश्मन की चाल है। उन्होंने आगे कहा कि इसका उद्देश्य अटकलें पैदा करना और अधिकारियों को जवाब देने के लिए मजबूर करना है। क़ोमी ने यह भी कहा कि ईरानी अधिकारी सुप्रीम लीडर के जीवन की रक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

शव देखकर बचावकर्मी हैरान!

जिंदगी की जंग हारी मां...लेकिन ममता जीत गई,बरगी में मां की पकड़ बच्चे से नहीं छूटी

जबलपुर। लाइफजैकेट पहने एक मांं और उसके सीने से लिपटा उसका मासूम बेटा। जब दोनों के शव बरगी डैम के पानी से बाहर निकाले गए, तो यह दृश्य देखकर लोगों की रूह कांप उठी। यह मंजर उस दर्दनाक हादसे के बाद का था, जिसने हर किसी को भीतर तक झकझोर दिया। मौके पर मौजूद लोग हों या सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को देखने वाले—हर आंख नम हो गई। यह सिर्फएक हादसा नहीं था, बल्कि ममता की वह आखिरी झलक थी, जो मौत के बाद भी जिंदा रही। मां आखिरी सांस तक उस भयावह त्रासदी से जूझती रही, लेकिन अपने बच्चे को सीने से लगाए रखा। मौत भी उसके आंचल से मासूम को अलग नहीं कर सकी। जब यह दृश्य सामने आया, तो हर दिल सिहर उठा।यह तस्वीर सिर्फ एक हादसे की कहानी नहीं कहती, बल्कि उस अटूट ममता की गवाही देती है, जो जीवन के पार भी अपने बच्चे को थामे रहती है। राहत-बचाव कार्य में जुटी टीम का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें चार से पांच सदस्यों की टीम सुबह मां और बेटे के शव को बरगी डैम से बाहर निकाल रहे हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि इतने भयावह पानी और तेज लहरों के बीच बचाव कार्य करना चुनौती पूर्ण बना हुआ है। लेकिन उससे बाद भी टीमें बचाव की हर एक संभव कोशिश करने में जुटी हुई हैं। सेना की तरफ से आए बचावकर्मी ने कहा

कि क्रूज पलटकर डूब चुका था। अंदर जाने के बाद जहां से थोड़ी बहुत जगह मिली, वहां से अंदर जाकर शव ढूंढने की कोशिश की। दृश्यता भी काफी कम थी। आधे फीट की दूरी तक भी कुछ नहीं दिख रहा था। अंदर हमने जो मंजर देखा, उसे देखकर हैरान हो गए। महिला को बाहर निकालने की कोशिश की, तो बॉडी बाहर नहीं आ पा रही थी। हमने देखा तो पाया कि उसे सिमटकर एक बच्चा भी था। हम खींचने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उस मां की पकड़ अपने बच्चे से छूट ही नहीं रही थी। इस हादसे में नौ लोगों के शव मिल चुके हैं। जबकि 28 लोगों को बचा लिया गया है। वहीं, छह लोग अब भी लापता हैं। आज सुबह मिली जानकारी के अनुसार, क्रूज में कुल 43 लोग सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, गुरुवार शाम 29 यात्रियों और दो चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही क्रूज नाव अचानक आए तेज तूफान के कारण पलट गई।

पंजाब विधानसभा में हंगामा

सीएम का सदन में शराब पीकर आने से कांग्रेस का वाकआउट

चंडीगढ़/ एजेंसी

मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में पंजाब सरकार आज मजदूरों को समर्पित विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया। नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि नियमित सत्र बुलाया जाना चाहिए। हर बार विशेष सत्र बुला लिया जाता है लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकलता है। अब तक आठ सत्र हो चुके हैं। न तो प्रश्नकाल रखा गया है और न ही शून्यकाल दिया जा रहा है। विधायकों को बात रखने का समय नहीं मिल रहा है, क्योंकि कई मुद्दे हैं। सीएम भगवंत मान ने कहा कि विशेष सत्र पर सवाल

उठाना गलत है। पिछले सत्र के दौरान बेअदबी के खिलाफ प्रस्ताव पास किया था जो राज्यपाल की मंजूरी के बाद लागू हो गया। जब कांग्रेस इस पर एतराज जाता रही थी कि राष्ट्रपति को भेजना पड़ेगा। मानसून सत्र के दौरान पूरा टाइम देंगे, जितना समय चाहिए होगा तो आपको उस विधानसभा सत्र के दौरान देंगे। कांग्रेस विधायक खैरा के मोबाइल इस्तेमाल करने पर सीएम मान ने एतराज जताया है। मान ने कहा कि मई दिवस पर प्रस्ताव पेश किया जा रहा है और यह मोबाइल से लगे हुए हैं। इस लेकर हंगामा हुआ। खैरा ने बात रखने इजाजत मांगी। इस पार हरपाल चीमा ने कहा कि इनका हमेशा व्यवहार सदन में ठीक नहीं रहा है। यह सदन में सही रूप से बैठते नहीं हैं। इनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि सीएम शराब पीकर सदन में आए हैं।

वैष्णो देवी दर्शन से लौट रहे एमपी के 6 श्रद्धालुओं की जलकर मौत

श्योपुर। वैष्णो देवी दर्शन कर वापस लौट रही एक अर्टिगा कार में राजस्थान के अलवर जिले में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कार सवार 6 लोग बुरी तरह झुलस गए, जिनकी मौत हो गई। चालक को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। दरअसल श्योपुर के नागदा गांव निवासी चालक विनोद अपनी अर्टिगा कार में 5 श्रद्धालुओं को लेकर वैष्णोदेवी दर्शन के लिए गया था। जिसमें संतोष आदिवासी उसकी पत्नी रश्मि संतोष की सास और बच्चे एवं दोस्त सवार थे। दर्शन कर वापस लौटते समय राजस्थान के अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के पास अचानक कार में आग भड़क उठी।

गौ प्रतिष्ठा पर शंकराचार्य ने वाराणसी में भरी हुंकार

किसी सरकार ने नहीं किया सनातन भावना का सम्मान

नई दिल्ली/ एजेंसी

जगदगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने आज शाम श्रीविद्यामठ में आयोजित एक समारोह में गौप्रहरी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया। बता दें कि गौ माता को राष्ट्रमाता एवं राज्यमाता का दर्जा दिलाने सहित भारत से गोकशी बंद कराकर गौमाता के संरक्षण हेतु जनजागरण करने के उद्देश्य से श्रीगुरुकुलम न्यास द्वारा गौ प्रहरी प्रतियोगिता का वाराणसी जिले के विद्यालयों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

प्रतियोगिता में कक्षा 3 से लेकर कक्षा 12 तक के छात्र एवं छात्राएं सम्मिलित हुए थे। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए शंकराचार्य महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में गौमाता को एक पशु के रूप में नही बल्कि धर्म,संस्कृति और सृष्टि की पोषिका व आधारशिला के रूप में देखा गया है। आगे उन्होंने कहा कि अगर देखा जाय तो भारत की आजादी के आन्दोलन का सूत्रपात गौ माता के संरक्षण और उनके प्रति सम्मान की भावना के कारण हुआ। हम सनातनियों का दुर्भाग्य ही है, कि आजादी मिलने के बाद भी किसी सरकार ने सनातनियों की भावना का सम्मान नहीं किया। आज बहुसंख्यक सनातनियों के देश में उनकी ही गौ माता की हत्या हो रहा है।आज हमारा देश गौ मांस निर्यात में विश्व में दूसरे नम्बर से पहले नंबर की ओर अग्रसर होचुका हैं। आज की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था ने भी हमें हमारे धर्म और संस्कृति से दूर कर दिया।

तीन महीनों में तीन बार की गई बढ़ोत्तरी

एकमुश्त 993 रुपये बढ़ गए एलपीजी सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली/ एजेंसी

तेल कंपनियों ने आज कॉमर्शियल सिलेंडर के दामों में भारी बढ़ोत्तरी कर दी है। देश के सभी हिस्सों में ये सिलेंडर अब तीन हजार रुपये से भी अधिक भाव में मिलेगा। सरकार ने मामले में स्पष्टीकरण दिया है। शुक्रवार को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 रुपए का इजाफा किया गया है। इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में इजाफा होना है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़कर 3,071.5 रुपए हो गई है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए राहत जारी रहेगी, क्योंकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को स्थिर रखा गया है। सरकारी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने बयान में कहा कि देश में मौजूद 33 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में यह तीसरी वृद्धि हुई है। पहली बार मार्च की शुरुआत में इसकी कीमत में लगभग 115 रुपए की वृद्धि की गई थी, जिसके बाद 1 अप्रैल को कीमतों को लगभग 200 रुपए और बढ़ाया गया। बयान में आगे आईओसीएल ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित हैं। कंपनी ने यह भी कहा कि प्रमुख ईंधनों की

कीमतों में कोई संशोधन नहीं किया गया है जिसका आम जनता पर सीधा असर होता है। घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। आईओसीएल के अनुसार, सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक ईंधन लागत में वृद्धि को वहन करने का विकल्प चुना ताकि एयरलाइनों और यात्रियों को नुकसान से बचाया जा सके। अतिरिक्त शुल्क की दरों में हर पखवाड़े संशोधन किया जाता है और पिछला संशोधन 11 अप्रैल, 2026 से प्रभावी हुआ था। ये दरें पिछली समीक्षा के बाद की अवधि में प्रचलित कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की औसत अंतरराष्ट्रीय कीमतों के आधार पर निर्धारित की जाती हैं। केंद्र सरकार ने आज 1 मई, 2026 से शुरू होने वाले अगले पखवाड़े के लिए दरें अधिसूचित कर दी हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा,परिणामस्वरूप, डीजल के निर्यात पर शुल्क की दर 23 रुपए प्रति लीटर (एसएईडी 23 रुपए; आरआईसी शून्य) होगी। इसके अलावा, एटीएफके निर्यात पर शुल्क की दर 33 रुपए प्रति लीटर (केवल एसएईडी) होगी। पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क की दर शून्य बनी रहेगी। मंत्रालय ने आगे कहा कि घरेलू खपत के लिए स्वीकृत पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा उत्पाद शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

राहुल गांधी बोले यह चुनाव का बिल है

मई के पहले दिन महंगाई बम फूटा है। पश्चिम बंगाल-असम समेत 5 राज?यों में विधानसभा चुनाव खत?म होते ही तेल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी की है। ये बढ़ोतरी 19 किलो के साथ ही 5 किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड सिलेंडरों में भी की गई। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 993 रुपये की बढ़ोतरी की है। कमर्शियल सिलेंडर के दाम में हुई बढ़ोतरी को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनाव का बिल है। पहले गैस अगली स्ट्राइक पेट्रोल-डीजल पर होगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि- मैंने कहा था महंगाई की आंच चुनाव के बाद आएगी। आज कमर्शियल गैस सिलेंडर ?993 महंगा है।

रायगढ़ में पॉल्यूशन सर्टिफिकेट व्यवस्था ठप, वाहन मालिकों की बढ़ी मुश्किलें

3 अप्रैल से रिन्यूवल अटका, बिना सर्टिफिकेट चल रहे वाहन, चालान का डर कायम, आखिर व्यवस्था सुधरेगी कब..??

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में पॉल्यूशन सर्टिफिक्रेट बनवाने को लेकर इन दिनों वाहन मालिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर में संचालित अधिकांश पॉल्यूशन जांच केंद्रों पर काम ठप पड़ा है, जिससे लोग सर्टिफिक्रेट के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। बताया जा रहा है कि इन केंद्रों की आईडी रिन्यूवल नहीं होने के कारण सिस्टम बंद पड़ा हुआ है और यह स्थिति बीते 3 अप्रैल से लगातार बनी हुई है। गौरतलब हो कि पॉल्यूशन सेंटर संचालकों की आईडी समय पर नवीनीकरण नहीं होने से मशीनें और ऑनलाइन सिस्टम काम नहीं कर रहे हैं। इसके चलते न तो नए सर्टिफिक्रेट बन पा रहे हैं और न ही पुराने का नवीनीकरण हो पा रहा है। ऐसे में वाहन मालिकों के सामने कानूनी संकट भी खड़ा हो गया है, क्योंकि बिना वैध पॉल्यूशन सर्टिफिक्रेट के वाहन चलाना नियमों का उल्लंघन है और इस पर जुर्माने का प्रावधान भी है।वहीं इस पूरे मामले में परिवहन विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। विभाग का कहना है कि पॉल्यूशन सेंटरों से संबंधित दस्तावेजों को रिन्यूवल के लिए रायपुर कार्यालय भेजा गया है और वहां से प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आईडी सक्रिय हो पाएगी। हालांकि, स्थानीय स्तर पर समाधान निकालने के बजाय विभाग द्वारा जिम्मेदारी टालने की बात सामने आ रही है, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।इस समस्या का सबसे ज्यादा असर उन वाहन चालकों पर पड़ रहा है, जिन्हें रोजाना अपने वाहनों का उपयोग करना पड़ता है। और यातयात विभाग के चालानी कार्यवाही का शिकार होना पड़ता है।

3 अप्रैल से व्यवस्था ठप, आखिर सुधरेगी कब..??

बीते 3 अप्रैल से पॉल्यूशन सर्टिफिक्रेट बनाने की व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे वाहन मालिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के अधिकांश सेंटरों में आईडी रिन्यूवल नहीं होने के कारण सिस्टम बंद है,लगातार बंद व्यवस्था के कारण लोगों को बिना सर्टिफिक्रेट के ही वाहन चलाने की मजबूरी है, जिससे चालान का डर भी बना हुआ है। दूसरी ओर, परिवहन विभाग द्वारा दस्तावेज रायपुर भेजे जाने की बात कहकर मामला टालने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है।

मई दिवस के अवसर पर सभा भारत में बाबा जी साहेब ने बनाया था 8 घंटे काम का कानून–नंदी

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर सरोना मई दिवस के अवसर पर आज सरोना में निर्माण मजदूरों ने रैली निकाल कर मंडी में सभा आयोजित की। उक्त आशय की जानकारी राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के जिला अध्यक्ष सागर साहू ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। सभा को संबोधित करते हुए यूनियन के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष सुख रंजन नंदी ने मई दिवस की इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि मई दिवस के साथ दैनिक 8 घंटे का काम जुड़ा हुआ है। 8 घंटे काम का कानून बनाने के लिए मजदूरों का यह संघर्ष को आह भी दुनिया के मजदूर याद करते है। नंदी ने कहा कि आज मजदूरों को 8 घंटे काम का अधिकार हासिल है लेकिन 19 वीं सदी में मजदूरों से दिन में 19 से 20 घंटे तक काम लिया जाता था। हमारे देश में भी श्रमिकों से 14 घंटे काम लिया जाता था। लेकिन बाबा साहेब जब

अंग्रेज सरकार के श्रम मंत्री थे तब उन्होंने देश में मजदूरों के लिए 8 घंटे काम का कानून बनाया था। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार को मजदूर विरोधी करार देते हुए कहा कि अब केंद्र की मोदी सरकार का नए श्रम कोड में मालिकों को मजदूरों से दैनिक 12 घंटे काम लेने का कानूनी अधिकार प्रदान कर दिया। यह श्रम कोड ऐसा समय पर लागू किया जब दुनिया के अनेकों हिस्सों में मजदूर दैनिक 4 घंटे काम के घंटे निर्धारित करने की मांग कर रहे है। उन्होंने विस्तार से शोषण की प्रक्रिया की जानकारी देते हुआ कहा कि आज अत्याधुनिक तकनीक से अतिरिक्त उत्पादन हो रहा है पहले 8 घंटे काम कर जितना उत्पादन होता था आज तकनीक की उपयोग से अधिक उत्पादन होता है। इसलिए काम के घंटे कम किए बिना समाज में व्याप्त बेरोजगारी को मिटाया नहीं जा सकता है। उन्होंने मई दिवस को मजदूरों के लिए मनोरंजन या अवकाश दिवस नहीं हो सकता है यह दिवस मजदूरों के लिए अन्याय, शोषण के खिलाफ संघर्ष का शपथ लेने का दिन है।इसके अलावा सभा को जिला अध्यक्ष सागर साहू, सरोना इकाई के अध्यक्ष भारत यादव ने भी संबोधित किया।सभा स्थल पर आत्मा भास्कर, चैत राम सिंहा, रामलाल नाग, संतोष नायक, सतीश साहू को सम्मानित किया गया है। सभा में अंकिता मरकाम, आरती यादव, पुनम, पूर्णिमा, तिलेश्वरी, रेखा निषाद, संजय मंडावी, किशोर बट्टी, शिवराज , मंशा नेताम, युगल पोता, जंगल पोता कुंदन, अर्जुन, घसिया राम, कृष्णा, सहित सैकड़ों मजदूर शामिल थे।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने घोषित किए 10वीं-12वीं के परिणामज्रायगढ़ के 8 विद्यार्थियों ने प्रदेश टॉप-10 में बनाई जगह

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आज कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। जिले से कक्षा 12 वीं में कुल 83.45 प्रतिशत और कक्षा 10 वीं में 80.06 प्रतिशत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए। वहीं प्रदेश स्तर पर टॉप-10 की सूची भी जारी की गई, जिसमें रायगढ़ जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

कक्षा 10वीं की मेरिट सूची में जिले के दो विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया है। गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल महलोई (पुसौर) की गिरिजा प्रधान ने 600 में से 590 अंक प्राप्त कर 98.33 प्रतिशत के साथ पांचवां स्थान हासिल किया, वहीं पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल, घरघोड़ा के अहसान अली ने 600 में से 587 अंक प्राप्त कर 97.83 प्रतिशत के साथ आठवां स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार कक्षा 12वीं की टॉप-10 सूची में रायगढ़ जिले के 6 विद्यार्थियों ने स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाया है। गवर्नमेंट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल, छाल के कृष महंत ने 500 में से 489 अंक प्राप्त कर 97.80 प्रतिशत के साथ टॉप-3 में स्थान बनाया। गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, महापल्ली के लोकनाथ मेहर ने 486 अंक (97.20 प्रतिशत) के साथ टॉप-6 में स्थान प्राप्त किया। महेंद्र सिंह पटेल मेमोरियल आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल, नंदेली की शीतल साहू ने 484 अंक (96.80 प्रतिशत) के साथ टॉप-8 में स्थान बनाया। गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, तरकेला की बबीता पटेल ने 483 अंक (96.60 प्रतिशत) के साथ टॉप-9 में स्थान प्राप्त किया। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल, खरसिया की लिसिका वर्मा ने 483 अंक (96.60 प्रतिशत) के साथ टॉप-9 में स्थान प्राप्त किया तथा प्रज्ञा हायर सेकेंडरी स्कूल, सोंडका की अंजली झा ने 482 अंक (96.40 प्रतिशत) के साथ टॉप-10 में अपनी जगह बनाई।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में जिले के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। कक्षा 12वीं (कला, विज्ञान, वाणिज्य, कृषि, ललित कला एवं गृह विज्ञान) के लिए कुल 8,969 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था। इनमें से 8,914 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 8,855 विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। घोषित परिणामों में से 7,390 परीक्षार्थी सफल रहे। इस प्रकार कक्षा 12वीं का कुल परीक्षा परिणाम 83.45 प्रतिशत दर्ज किया गया। इसी प्रकार हाई स्कूल (कक्षा 10वीं) की परीक्षा में कुल 12,238 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था। इनमें से 12,075 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए तथा 11,898 विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। घोषित परिणामों में से 9,526 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। कक्षा 10वीं का कुल परीक्षा परिणाम 80.06 प्रतिशत रहा। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सतत प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

नंदेली की बेटी शीतल साहू ने खरसिया रायगढ़ जिले का बढ़ाया मान : 12वीं परीक्षा मे टॉप-10 में

नंदेली/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी हायर सेकेंडरी कक्षाओं की मेरिट सूची में महेंद्र सिंह पटेल मेमोरियल आदर्श विद्यालय नंदेली के कक्षा बारहवीं की छात्रा कु. शीतल साहू ने टॉप 10 में अपना नाम दर्ज कर विद्यालय का नाम रौशन किया। कहते हैं कि जीवन में संघर्ष जितना कठिन होगा सफलता उतनी ही ऊंची और शानदार होगी।

ऐसे ही जुनून व जोश से भरे विद्यालय की छात्रा कु. शीतल साहू ने 96.8 प्रतिशत के साथ शानदार सफलता हासिल किया। शीतल साहू के मेरिट सूची में आने से विद्यालय के प्राचार्य सतीश कुमार पाण्डेय प्रधान पाठक सीताराम सारथी तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं समेत शालेय परिवार एवं क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है। विद्यालय की यह बहुत ही बड़ी उपलब्धि है कि विद्यालय की छात्रा ने अपना नाम छत्तीसगढ़ टॉप-10 में दर्ज कराया। शीतल साहू को उसकी उपलब्धि के लिए बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और खरसिया विधायक उमेश पटेल ने शीतल साहू को विद्यालय पहुंचकर

बधाई दिये। उन्होंने खरसिया समेत रायगढ़ जिले को गौरवान्वित करने वाली शीतल साहू के उज्जवल भविष्य की कामना की है।शीतल साहू को बधाई देने वालों में ग्राम पंचायत नंदेली के सरपंच व विद्यालय के संरक्षक सुदर्शन पटेल, संरक्षक उम्मेद पटेल समिति अध्यक्ष प्रेमशंकर पटेल उपाध्यक्ष सुनील पटेल, कोषाध्यक्ष खगपति मालाकार, सचिव प्रदीप पटेल, उमाशंकर पटेल, एकनाथ पटेल, लालकुमार पटेल, राकेश पटेल, दीपेश यादव, कन्हैया पटेल, ओशाराम यादव, शौकी श्रीवास, ने विद्यालय पहुंचकर शीतल साहू को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

दुर्गम इलाकों में गर्भवती महिलाओं को अब गांव के पास ही मिलेगा विशेषज्ञ इलाज

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले के दूरस्थ और अंदरूनी क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के लिए राहत भरी खबर है। अब उन्हें जांच और इलाज के लिए जिला मुख्यालय तक लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा। जिला प्रशासन ने स्त्रीरोग विशेषज्ञों की ब्लॉक स्तर पर ड्यूटी तय कर दी है, जिससे महिलाओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में ही विशेषज्ञ सेवाएं मिलेंगी। कलेक्टर के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने यह व्यवस्था लागू की है। इसके तहत डॉ. शिल्पा नायक और डॉ. आदित्य साहू अलग-अलग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में तय तारीखों पर मौजूद रहेंगे और गर्भवती महिलाओं की जांच, परामर्श और उपचार करेंगे।

कहां कब मिलेंगी सेवाएं

आवापल्लीः हर महीने का पहला गुरुवार ङ्क डॉ. शिल्पा नायक
भैरमगढ़ः हर महीने का पहला शुक्रवार ङ्क डॉ. आदित्य साहू
भोपालपटनमः हर महीने का तीसरा सोमवार ङ्क डॉ. आदित्य साहू
गंगालूरः हर महीने का तीसरा मंगलवार ङ्क डॉ. शिल्पा नायक

प्रशासन का कहना है कि इस व्यवस्था से गर्भवती महिलाओं की समय पर जांच हो सकेगी और जटिल मामलों की पहचान शुरुआती स्तर पर ही हो जाएगी। इससे मातृ और शिशु मृत्यु दर कम करने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह कदम ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि हर महिला को सुरक्षित मातृत्व की सुविधा मिल सके।

दर्रामुड़ा में आवास योजना में गड़बड़ी का आरोप, आवास मित्र के द्वारा किया गया गोलमाल, हितग्राही की मजदूरी राशि हड़पने का मामला

खरसिया/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक गंभीर अनियमितता सामने आई है। जानकारी के अनुसार, हितग्राही हेमकुमार के नाम पर स्वीकृत आवास निर्माण कार्य में मनरेगा के अंतर्गत मिलने वाली मजदूरी राशि में गड़बड़ी का आरोप लगा है।

बताया जा रहा है कि आवास निर्माण कार्य के दौरान मनरेगा के तहत करीब ?21,000 की मजदूरी राशि हितग्राही को मिलनी थी। आरोप है कि यह राशि संबंधित आवास मित्र द्वारा हितग्राही को न देकर अपने माता-पिता एवं रिश्तेदारों के नाम14000 पर निकाल ली गई।

पीड़ित हितग्राही हेमकुमार द्वारा जब अपनी मजदूरी राशि की मांग की गई, तो आवास मित्र सुरज निषाद द्वारा लगातार टालमटोल किया जा रहा है और भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों में भी आक्रोश देखा जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह सीधे तौर पर शासकीय राशि के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार का मामला है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दोषी के खिलाफकड़ी कार्रवाई करते हुए पीड़ित को उसकी मजदूरी राशि दिलाई जाए।अब देखना लाजमी होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या कार्रवाई करता है।

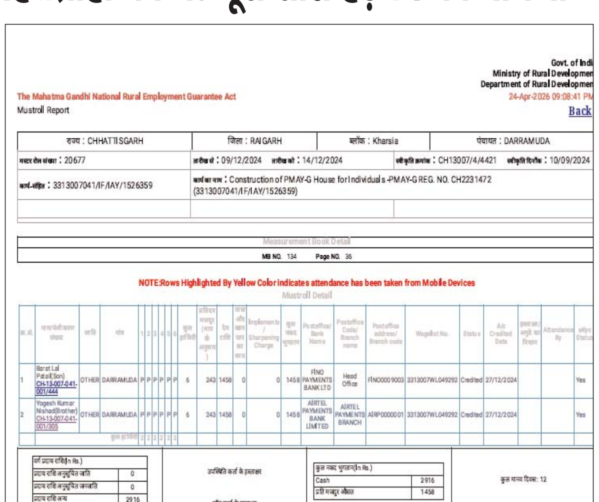

Govt. of India
Ministry of Rural Development
Department of Rural Development
24-Apr-2026 09:08:41 PM
Back

The Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act
Mustroll Report

राज्य : CHHATTISGARH | जिला : RAIGARH | ब्लॉक : Kharsia | पंचायत : DARRAMUDA
मस्टर रोल संख्या : 20677 | तारीख से : 09/12/2024 तारीख को : 14/12/2024 | स्वीकृति क्रमांक : CH13007/4/4421 स्वीकृति दिनांक : 10/09/2024
कार्य-संहिता : 3313007041/IF/IAY/1526359 | कार्य का नाम : Construction of PMAY-G House for Individuals -PMAY-G REG. NO. CH2231472 (3313007041/IF/IAY/1526359)

Measurement Book Detail
MB NO. 134 Page NO. 36

NOTE:Rows Highlighted By Yellow Color indicates attendance has been taken from Mobile Devices
Mustroll Detail

1	Barat Lal Patail(Son) CH-13-007-041-001/444	OTHER	DARRAMUDA	P P P P P P	6	243	1458	0	0	1458	FINO PAYMENTS BANK LTD	Head Office	FINO0009003	3313007WL049292	Credited	27/12/2024		Yes
2	Yogesh Kumar Nishad(Brother) CH-13-007-041-001/305	OTHER	DARRAMUDA	P P P P P P	6	243	1458	0	0	1458	AIRTEL PAYMENTS BANK LIMITED	AIRTEL PAYMENTS BRANCH	AIRP0000001	3313007WL049292	Credited	27/12/2024		Yes

Cash 2916
1458
कुल मान्य दिवस: 12

मेहनत का मिसालः प्रतिभा दीवान 95.2% अंक लाकर बनीं पुरे अंचल की प्रेरणा

सारंगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत सरसींवा की शैक्षणिक फिजा इस वर्ष गर्व और खुशी से सराबोर है। सरस्वती शिशु मंदिर सरसींवा की मेधावी छात्रा प्रतिभा दीवान ने कक्षा 12वीं (गणित संकाय) में शानदार 95.2त्न अंक हासिल कर न केवल विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम भी रोशन कर दिया।अपने नाम के अनुरूप प्रतिभा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत और लगन के दम पर हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी इस सफलता ने सरसींवा की शिक्षा जगत में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रतिभा, धनेश्वर धर दीवान की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने चाचा प्रकाश धर दीवान को दिया, जो देशबंधु परिवार में सक्रिय संवाददाता हैं। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा ने प्रतिभा को सफलता की राह पर मजबूती से आगे बढ़ाया। इस शानदार उपलब्धि से परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। पिताजी, चाची रेशमा दीवान, रिम्मी दीवान सहित सभी परिजन गर्व से भाव-विभोर हैं। वहीं, पूरे गांव व अंचल में भी प्रतिभा की मेहनत और सफलता की चर्चा जोरों पर है। आज के कड़े प्रतिस्पर्धी दौर में प्रतिभा दीवान की यह सफलता सिर्फ अंक नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और सही दिशा का प्रतीक है। उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

पुलिस महा निरीक्षक राम गोपाल गर्ग ने दिया प्रशिक्षण

हत्या के प्रकरणों के अनुसंधान पर हुआ प्रशिक्षण

सारंगढ़/मूक पत्रिका

बिलासपुर रेंज के पुलिस महा निरी. रामगोपाल गर्ग के द्वारा हत्या के गंभीर मामलों में विवेचना के स्तर को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुधारने और न्यायालयों में सजा की दर बढ़ाने के उद्देश्य से एक विस्तृत योजना, दिशानिर्देश जारी करते हुए रेंज स्तर के पुलिसअधिकारी का एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। आईजी श्री गर्ग ने स्पष्ट किया है कि - पुलिस का उद्देश्य केवल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि उसे वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर सजा दिलाना है। इस नई रणनीति के तहत बिलासपुर रेंज के पुलिस अधिकारी के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं, जिसमें एक चेकलिस्ट को जारी किया गया है। अब से हत्या के हर प्रकरण के चालान में इस चेकलिस्ट का पालन अनिवार्य होगा। प्रमुख दिशा - निर्देश और नई कार्यप्रणाली ई- साक्ष्य और नए कानूनों का अनुपालन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्रह्स्स्) की धारा 105 के तहत अब

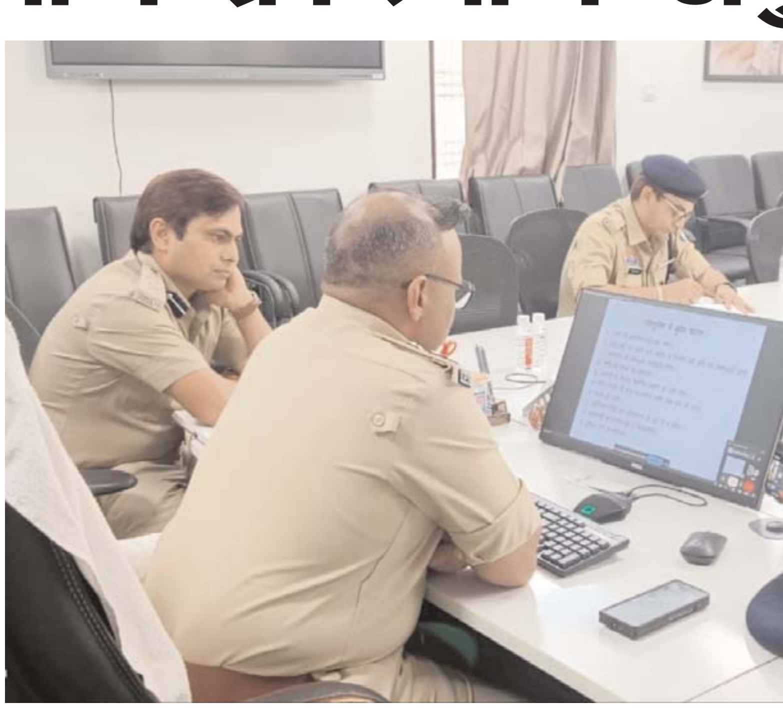

सभी प्रकार की जप्ती ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से वीडियो ग्राफी की जाएगी । इससे साक्ष्यों की विश्वसनीयता बढ़ेगी और गवाहों के मुकर जाने की स्थिति में भी तकनीकी साक्ष्य प्रभावी रहेंगे।

घटनास्थल पर गोल्डन ऑवर के महत्व को समझते क्षेत्र को तत्काल टेप लगाकर सील किया जाएगा । फोरेंसिक, डॉग स्क्वॉड व फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों की उपस्थिति में ही साक्ष्य संकलन होगा। किसी भी साक्ष्य को बिना दास्ताने के छूना प्रतिबंधित रहेगा।विवेचना में मानवीय त्रुटि को शून्य करने के लिए 124 बिंदुओं का एक प्रोटोकॉल तैयार किया गया है। इसमें एफआई आर से लेकर चार्ज शीट फाइल करने तक की हर प्रक्रिया का प्रलेखनशामिल है, ताकि बचाव पक्ष को तकनीकी खामियों का लाभ न मिले, विवेचक अब आरोपियों के डिजिटल फुटप्रिंट्स जैसे गूगल टेक आउट, इंटरनेट हिस्ट्री व व्हाट्सएप लॉग्स की बारीकी से जांच करेंगे। घटनास्थल के आसपास के 100 मीटर के दायरे में लगे सीसीटीवी कैमरों की त्रिनयन ऐप के जरिए मैपिंग की जाएगी। सीसी टीवी फुटेज को सीधे डीवीआर से जप्त कर भारतीय साक्ष्य अधिनियम (ब्क्र) की धारा 63(4)(ष) के प्रमाण पत्र के साथ केस डायरी का हिस्सा बनाया जाएगा। ष्ठह्न एवं जैविक साक्ष्यों से लिंक स्थापित करना मृतक के नाखूनों में फंसे आरोपी की स्किन, संघर्ष के दौरान टूटे बाल और कपड़ों पर मौजूद डीएनए ट्रेस करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि - वैज्ञानिक रूप से आरोपी की उपस्थिति घटना स्थल पर सिद्ध की जा सके। रात्रि कालीन पोस्टमार्टम एवं वीडियोग्राफी संवेदनशील मामलों में भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार पर्याप्त रोशनी में रात में भी पोस्टमार्टम कराया जा सकेगा,जिसकी वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी। पीएम रिपोर्ट में स्पष्टता न होने पर डॉक्टर से अनिवार्य रूप से एफएसएल क्वेरी कराई जाएगी ।साक्ष्यों के संकलन से लेकर उन्हें थाने के मालखाने और फिर एफएसएल तक भेजने का पल पल का रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा,जिस से साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ की किसी भी संभावना को खत्म किया जा सके। आईजी बिलासपुर ने कड़े निर्देश दिए हैं कि अप्रैल 26 के बाद होने वाले सभी हत्या के प्रकरणों की विवेचना इन नए वैज्ञानिक और तकनीकी प्रोटो कॉल के माध्यम से की जाए।

बिलासपुर रेंज पुलिस अब सीसी टीएनएस प्रविष्टि से लेकर साइबर साक्ष्यों के संकलन तक पूरी तरह से पारदर्शी व पेशेवर दृष्टि अपनाएगी ताकि अपराधियों को कानून के शिकंजे में कसकर सख्त सजा दिलाई जा सके। प्रशिक्षण सत्र में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल के अलावा रेंज के सभी जिलों के एएसपी से लेकर उपनिरीक्षक तक सम्मिलित हुए। इस प्रशिक्षण सत्र का संचालन 1द्बह्लह्वड्डद्य द्वश्चस्रद्द पर किया गया। आईजीपी श्री गर्ग ने स्वयं पुलिस अधिकारी को हत्या के प्रकरणों की विवेचना के लिए प्रशिक्षक के रूप में मार्गदर्शन देते हुए, पीपीटी के माध्यम से विवेचना के की पॉइंट्स और अमल में लाने वाले महत्व पूर्ण बिंदुओं की जानकारी प्रशिक्षण के दौरान दी। राम गोपाल ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण के सत्र प्रति सप्ताह अलग अलग विषयों पर रेंज के पुलिस अधिकारी के लिए आयोजित किए जाएंगे, ताकि पुलिस अधिकारी नवीन अनुसंधान तकनीकों से खुद को अपग्रेड कर , कमियों को दूर कर सकें।

विश्व श्रमिक दिवस पर जन सहयोग ने किया मज़दूरों का सम्मान,,

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / काँकेर सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था ÷जन सहयोग÷ द्वारा आज 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस पर मज़दूरों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने वक्तव्य दिया कि दुनिया का कारोबार सिर्फ़ पैसे के बल पर नहीं चलता है, उसमें मज़दूर की भी ज़रूरत होती है और हम देखते हैं कि हमारे मज़दूर भाई रात दिन अधिक से अधिक मेहनत करते हैं। इसमें वे जानलेवा ठंड, बर्बादी की बाढ़ बरसात आग जैसी गर्मी सब कुछ झेलते हैं। अनेक प्रकार के दुख दर्द सहते हैं, तब कहीं जाकर उन्हें जीवन निर्वाह योग्य आजीविका मिलती है।

आज भी हम देख रहे हैं कि भीषण गर्मी में भी हमारे मज़दूर भाई काम में लगे हुए हैं ताकि समय पर घर में भोजन बन सके, परिवार और बाल बच्चों का ख़याल रख सकें। मज़दूर वर्ग के इन सत्य तथ्यों पर ध्यान देते हुए हम ÷जन सहयोग÷ वालों ने आज 1 मई विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर उनका सम्मान शीतल पेयजल, गमछा, तौलिया, आदि प्रदान कर किया है और उनसे आशीर्वाद लिया है।

अजय पप्पू मोटवानी ने कहा कि हमारे मज़दूर स्वाभिमानी होते हैं और अपनी मेहनत के बल पर ही गुज़ारा करना चाहते हैं, हम लोगों की दी हुई छोटी सी सौगात को उन्होंने प्रेम पूर्वक कबूल किया है। आज के इस कार्यक्रम में ÷जन सहयोग÷ के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा वरिष्ठ समाज सेवक टी के जैन, प्रवीण गुप्ता, राजेश चौहान, आशुतोष देव,, ऋतिक सोनी, शैलेंद्र देहारी आदि नवयुवक समाजसेवियों ने कड़ी धूप में भी उत्साह पूर्वक भाग लिया।

मज़दूर दिवस पर आयोजित यह छोटा सा सादगी पूर्ण कार्यक्रम पूरे शहर में चर्चा का विषय है।

छालीवुड और क्रिकेट का संगम: CIPL सीजन–3 का धमाकेदार आगाज 25 मई से!

6 टीमों के बीच होगा मुकाबला, फिल्मी टाइटंस टीम में विकास सिंह का चयन

रायगढ़/मूक पत्रिका

बिलासपुर का रघुराज स्टेडियम एक बार फिर रोशनी और रोमांच से जगमगाने जा रहा है। सीआईपीएल (छालीवुड इंडस्ट्रीज प्रीमियर लीग) सीजन-3 का शुभारंभ 25 मई से फ्लड लाइट मैचों के साथ होने जा रहा है। फिल्मी सितारों और क्रिकेट के जुनून का यह अनोखा संगम दर्शकों को एक बार फिर रोमांच की चरम सीमा तक ले जाने के लिए तैयार है।सीआईपीएल में इस बार रायगढ़ के लिए गर्व का बड़ा मौका सामने आया है। शहर के होनहार खिलाड़ी विकास सिंह का चयन इस सीजन में फिल्मी टाइटंस टीम में हुआ है, जिसे मशहूर निर्देशक शांतनु पाटनवर लीड कर रहे हैं। शांतनु जी की भी जन्मभूमि रायगढ़ ही है यह उपलब्धि न सिर्फ विकास सिंह के लिए, बल्कि पूरे रायगढ़ के लिए गर्व की बात है। विकास सिंह सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि बड़े पर्दे पर भी अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने प्रेमयुद्ध, जवानी जिंदाबाद, और सरफिरा जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। अब 19 जून को रिलीज होने वाली फिल्म बलि में वे एक बिल्कुल अलग और दमदार किरदार में नजर आने वाले हैं। जिसके निर्देशक गंगासागर पंडा जी हैं। सीआईपीएल में इस बार 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिनमें बॉक्स ऑफिस ब्लेजर, फिल्मी टाइटन्स, स्क्रीन वॉरियर्स , स्टार समसेरा, सिने स्टार, सेलेब स्ट्राइकर के नाम शामिल है।

आपको बता दें कि पिछले सीजन में विकास सिंह ने बालोद बुल्स टीम से खेलते हुए अपनी ऑलराउंड परफॉर्मेंस से सबका दिल जीत लिया था। गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन के चलते इस बार ऑक्शन में उन्हें खास तवज्जो मिली और फिल्मी टाइटंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया।

अब नजरें 25 मई पर टिकी हैं, जब रघुराज स्टेडियम की रोशनी में छालीवुड और क्रिकेट का यह संगम एक बार फिर इतिहास रचेगाज और रायगढ़ का बेटा विकास सिंह मैदान में अपना जलवा बिखेरते नजर आएगा।

शादी की खुशियां मातम में बदली: धू-धू कर जला आशियाना, मेहनत की कमाई और सिलाई मशीन सब खाक।

आग ने छीनी रोजी-रोटी : राशन तक सब जलकर कोयला।

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर ब्लॉक नरहरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जामगांव में गुरुवार की रात एक परिवार के लिए तबाही लेकर आई। जब गांव का एक परिवार खुशी-खुशी एक शादी समारोह में शामिल होने गया था, तभी उनके सूने मकान और दुकान में भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में पीड़ित परिवार की जीवन भर की जमा पूंजी, राशन और आजीविका का एकमात्र साधन 'सिलाई मशीन' जलकर राख हो गई। घटना में करीब 5 से 8 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

शादी की खुशियां मातम में बदली-मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब 8:00 बजे ग्रामीण दिलीप रजक के घर से अचानक धुआं और आग की ऊंची लपटें उठती देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जिस वक्त यह हादसा हुआ, मकान मालिक दिलीप रजक अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। घर सूना होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते पूरे घर सहित उसमें स्थित सिलाई दुकान को अपनी चपेट में ले लिया।

ग्रामीणों ने की मदद, टैंकर से पाया काबू-आग की भयावहता देख ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए उसे बुझाने की कोशिश शुरू की। घटना की सूचना तत्काल सरपंच, सचिव और मकान मालिक को दी गई। मौके पर पहुंचे सरपंच के निर्देशानुसार पानी का टैंकर मंगवाया गया, जिसके बाद ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

हालांकि, तब तक घर के अंदर रखा सारा सामान जल चुका था। रोजी-रोटी का साधन और ग्राहकों के कपड़े खाक पीड़ित दिलीप रजक अपनी सिलाई दुकान के जरिए ही परिवार का भरण-पोषण करते थे। इस आगजनी में उनकी सिलाई मशीनें और ग्राहकों के कीमती कपड़े पूरी तरह जल गए। इसके अलावा घर में रखा साल भर का राशन, धान, चावल और नकदी भी आग की भेंट चढ़ गई। पीड़ित ने बताया कि इस हादसे ने उन्हें आर्थिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया है।

प्रशासन ने दिया मुआवजे का आश्वासन-हादसे की सूचना मिलने पर शुक्रवार सुबह पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए नरहरपुर तहसीलदार ने राजस्व अमले को नुकसान के त्वरित आंकलन और जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए जल्द से जल्द उचित सरकारी मुआवजा दिलाने की बात कही है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्ती: जिलेभर में छापेमारी, गंदगी और कार्बाइड पर कार्रवाई के निर्देश

कांकेर/मूक पत्रिका

उत्तर बस्तर कांकेर 29 अप्रैल जिले में आमजनों को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर सघन जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 'सही दवा, शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार' अभियान के तहत कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों, प्रमुख चौक-चौराहों, फल दुकानों एवं स्ट्रीट फूड वेंडरों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान फल विक्रेताओं को कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायनों के उपयोग से सख्ती से मना किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कार्बाइड से पकाए गए फल स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होते हैं, जिससे पेट संबंधी समस्याएं एवं अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे मामलों में पकड़े जाने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा प्राकृतिक तरीके से फल पकाने की सलाह दी गई। वहीं, स्ट्रीट फूड वेंडरों, गुपचुप एवं चाट विक्रेताओं की स्वच्छता व्यवस्था की भी गहन जांच की गई। कई स्थानों पर साफ-सफाई की स्थिति असंतोषजनक पाई गई तथा खाद्य सामग्री खुले में रखी मिली। कुछ विक्रेता बिना ग्लव्स और कैप के खाद्य पदार्थ बनाते और परोसते पाए गए, जिस पर अधिकारियों ने तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए सख्त चेतावनी दी। प्राप्त शिकायत के आधार पर वृंदावन रेस्टोरेंट, कांकेर का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर बूंदी लड्डू एवं गुलाब जामुन के नमूने लेकर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के आधार पर संचालक को नोटिस जारी कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे संदिग्ध खाद्य पदार्थों की जानकारी विभाग को दें और साफ-सफाई का ध्यान रखने वाले विक्रेताओं से ही खाद्य सामग्री खरीदें।

खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्ती: जिलेभर में छापेमारी, गंदगी और कार्बाइड पर कार्रवाई के निर्देश

कांकेर/मूक पत्रिका

उत्तर बस्तर कांकेर 29 अप्रैल जिले में आमजनों को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर सघन जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 'सही दवा, शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार' अभियान के तहत कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों, प्रमुख चौक-चौराहों, फल दुकानों एवं स्ट्रीट फूड वेंडरों का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान फल विक्रेताओं को कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायनों के उपयोग से सख्ती से मना किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि कार्बाइड से पकाए गए फल स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होते हैं, जिससे पेट संबंधी समस्याएं एवं अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे मामलों में पकड़े जाने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा प्राकृतिक तरीके से फल पकाने की सलाह दी गई। वहीं, स्ट्रीट फूड वेंडरों, गुपचुप एवं चाट विक्रेताओं की स्वच्छता व्यवस्था की भी गहन जांच की गई। कई स्थानों पर साफ-सफाई की स्थिति असंतोषजनक पाई गई तथा खाद्य सामग्री खुले में रखी मिली। कुछ विक्रेता बिना ग्लव्स और कैप के खाद्य पदार्थ बनाते और परोसते पाए गए, जिस पर अधिकारियों ने तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए सख्त चेतावनी दी। प्राप्त शिकायत के आधार पर वृंदावन रेस्टोरेंट, कांकेर का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर बूंदी लड्डू एवं गुलाब जामुन के नमूने लेकर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के आधार पर संचालक को नोटिस जारी कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे संदिग्ध खाद्य पदार्थों की जानकारी विभाग को दें और साफ-सफाई का ध्यान रखने वाले विक्रेताओं से ही खाद्य सामग्री खरीदें।

39 पीएम आवास प्रमाण पत्र , 5 आयुष्मान कार्ड, और निश्चय मित्र किट वितरित

सुशासन तिहार के पहले शिविर का आयोजन भटगांव में हुआ

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन में नगर पंचायत भटगांव के सांस्कृतिक भवन में सुशासन तिहार 2026 के तहत पहला शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में वार्ड क्रमांक 1 से 8 तक के नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया। साथ ही विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का आकर्षक स्टॉल भी लगाया गया, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए गए, जहां अधिकारियों ने आम नागरिकों को शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, बिलाईगढ़ एसडीएम प्रफुल्ल रजक, भटगांव तहसीलदार नीलिमा अग्रवाल, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

योजनाओं के तहत वितरण

कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत भटगांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 39 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा 5 लोगों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निश्चय मित्र किट का भी वितरण किया गया।

जनगणना-2027 का शंखनाद: आज से शुरू हुआ घर घर सर्वेक्षण कार्य

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने प्रगणकों को पुष्प भेंट कर किया रवाना

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारत की जनगणना- 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण यानी 'मकान सूचीकरण और मकानों की गणना' का कार्य आज से जिले में औपचारिक रूप से प्रारंभ हो गया है। इस महाअभियान के सफल संचालन हेतु 1300 से अधिक प्रगणक एवं सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं, जो 1 मई से 30 मई तक घर-घर जाकर मकानों की गणना करेंगे। गौरतलब है कि इतिहास में पहली बार जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से की जा रही है, जिसे प्रगणक अपने मोबाइल ऐप के जरिए संपन्न करेंगे। वहीं, जनसंख्या गणना का द्वितीय चरण मार्च 2027 में आयोजित किया जाएगा।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बढ़ाया उत्साह

तहसील कार्यालय सारंगढ़ पहुँचकर जिले के प्रमुख जनगणना अधिकारी कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे एवं जिला जनगणना अधिकारी डिप्टी कलेक्टर उमेश कुमार साहू एवं चार्ज अधिकारी तहसीलदार नंदकिशोर सिन्हा ने प्रगणकों को पुष्प भेंट किए और उन्हें फील्ड कार्य के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने प्रगणकों को निर्देशित किया कि वे सर्वे के दौरान डेटा की गुणवत्ता और सटीकता का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें।

भीषण गर्मी को देखते हुए विशेष सावधानी की सलाह

जिले में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और लू को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने प्रगणकों को अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने की सलाह दी है। उन्होंने फील्ड के दौरान सीधे धूप से बचने और अपने साथ पर्याप्त पानी एवं ओआरएस रखने को कहा है।

नागरिकों से सहयोग की अपील

प्रशासन ने जिलेवासियों से भावपूर्ण अपील किया है कि जब भी प्रगणक आपके घर पहुँचें, तो उन्हें सही और पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं। यह एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की सही जानकारी राष्ट्र के उन्नति के लिए भविष्य की योजनाओं के निर्माण में सहायक होगी।

तीन रेडियोलॉजिस्ट होने के बावजूद अवकाश और जिम्मेदारियों के फेर में व्यवस्था चरमराई, गर्भवती महिलाओं की बढ़ी परेशानी

एमसीएच में सोनोग्राफी ठप, मरीज निजी सेंटरों के भरोसे

रायगढ़/मूक पत्रिका

कहने को तो 100 बिस्तरों के मातृत्व शिशु चिकित्सालय में 3 रेडियोलॉजिस्ट की मौजूदगी है।परन्तु एक को जहां गायनोलिजिस्ट का जिम्मा दिया गया है तो वहीं दो रेडियोलॉजिस्ट के अवकाश पर होने की बात बताई जा रही है।लिहाजा तीन दिनों से एम सी एच में सोनोग्राफी सुविधा को लेकर मरीजों को अन्यत्र सेंटरों का रुख करने के साथ ही सोनोग्राफी के लिए मोटी रकम भी चुकानी पड़ रही है।वही व्यवस्था में सुधार को लेकर अब एम सी एच जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों की राह देख रहा है।गौरतलब हो कि रेडियोलॉजिस्ट के अभाव में मेडिकल कॉलेज मार्ग स्थित एम सी एच हॉस्पिटल में सोनोग्राफी सुविधा ठप पड़ी है।जिसे लेकर मरीजों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।इस अस्पताल में गर्भवती महिलाओं को प्रसव सुविधा उपब्ध है।परन्तु सोनोग्राफी बंद होने की वजह से उन्हें मेडिकल कॉलेज अथवा दूसरे सोनोग्राफी सेंटरों का चक्कर लगाना पड़ रहा है।यही नहीं हॉस्पिटल की शहर से दूरी होने की वजह से मरीजों को यहां वाहन सुविधा भी उपब्ध नहीं हो पाती है। ऐसी स्थिति में उनकी परेशानी और बढ़ रही है।बताया जा रहा है कि हॉस्पिटल में तीन रेडियोलॉजिस्ट मौजूद है।

परन्तु हॉस्पिटल में गाइनोलॉजिस्ट के अभाव में एक चिकित्सक को उसकी जिम्मेदारी दी गई तो वही दो चिकित्सक अवकाश पर गये है।परन्तु आश्चर्य की बात है जब एक चिकित्सक गाइनोलॉजिस्ट का कार्य कर रहा है।तब अन्य दो रेडियोलॉजिस्ट को एक साथ अवकाश दिया जाना अस्पताल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही को उजागर करता है।जिसकी वजह से वर्तमान में सोनोग्राफी सुविधा बंद पड़ी है।

रोजाना 7 से 8 सोनोग्राफी

जानकारी के मुताबिक मातृत्व शिशु चिकित्सालय में जहां रोजाना 70 से 80 ओ पी डी और 15 से 20 मरीज आई पी डी में आते है।इसके अलावा 12 से 15 डिलवरी संबंधित प्रकरण का निपटारा किया जाता है।यही नहीं सोनोग्राफी को लेकर भी 7 से 8 की संख्या में मरीज पहुंचते है।परन्तु 100 बिस्तरों के अस्पताल में यह आंकड़ा किसी भी लिहाज से कमतर जान पड़ता है।सूत्रों की माने तो कई ऐसे चिकित्सक है जो सरकारी मशीनरी की बजाय कमीशन देने वाले सोनोग्राफी सेंटरों को अधिक तरजीह देते है।नतीजन मुफ्त सेवा के बावजूद भी सोनोग्राफी के आंकड़े में लगातार गिरावट के रूप में देखने को मिल रही है।

प्रबंधन की लापरवाही

वर्तमान में बीते तीन दिनों से बंद पड़े सोनोग्राफी सेंटर का कारण अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के रूप में सामने आ रहा है।जहां रेडियोलॉजिस्ट के अभाव के बावजूद भी मौजूदा दोनों चिकित्सकों को अवकाश दिया जाना समझ से परे है।क्या अस्पताल प्रबंधन इस स्थिति से अवगत नहीं था।या फिर अस्पताल में सोनोग्राफी सुविधा को महत्त्व देना जरूरी नहीं समझा गया।

अब जिला चिकित्सालय से मदद की गुहार

एम सी एच में अब सोनोग्राफी व्यवस्था को बहाल करने जिला चिकित्सालय में मौजूद रेडियोलॉजिस्ट की सहायता लेने की बात कही है रही है।जो सप्ताह में दो से तीन दिवस अपनी सेवाएं यहां देंगे।ये तो हुई सप्ताह में दो से तीन दिनों की बात तो बाकी दिन मरीजों की सुविधा का क्या होगा।क्या उन्हें फिर निजी सेंटरों के चक्कर लगाना पड़ेगा। क्या कहते है डॉक्टर अभिषेक अग्रवाल एम. सी. एच.= सोमवार से सोनोग्राफी सुविधा रेडियोलॉजिस्ट के अभाव में बंद है।जिला चिकित्सालय में चर्चा कर यह मौजूद रेडियोलॉजिस्ट को एम सी एच में सप्ताह के दो से तीन दिनों तक कार्य करने चर्चा की जाएगी।

संपादकीय

भाजपा को दागी और गद्दार पसंद हैं

शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की वाशिंग मशीन के सामने एक बार फिर दागी धुलने को तैयार हो गये। यही वही दागी हैं जिन पर इसी महीने की 15 तारीख को ईडी ने छापेमारी की थी। आम आदमी पार्टी के दस सांसदों में सात ने लगभग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ऐलान कर दिया है, बस औपचारिकताएं ही बाकी हैं। दिलचस्प तो यह है कि इनमें वह अशोक मित्तल भी शामिल हैं जिन पर पार्टी ने सबसे अधिक भरोसा किया। यह मित्तल वही हैं जिन्हें पार्टी ने राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में उपनेता बनाया था, यही नहीं मित्तल के घर पर ही पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल सरकारी बंगला खाली करने के बाद रह रहे थे और शुक्रवार सुबह ही उनका आवास खाली करके अपने नये सरकारी आवास पर गये थे।

इसी महीने की 15 अप्रैल को ईडी ने आप के राज्यसभा सांसद और लवली प्रोफ़ेशनल यूनिवर्सिटी के मालिक अशोक मित्तल और उनके बेटे के ठिकानों पर पंजाब और गुरुग्राम में छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और पीएमएलए (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) के तहत वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई है। अशोक मित्तल के अलावा, पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के परिसरों पर भी ईडी ने छापा मारा है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई थी । तभी आप ने आरोप लगाया था कि बीजेपी इन एजेंसियों के दम पर विपक्ष को डरा रही है। यही नहीं, बीते दिनों जब भाजपा सरकार ने राघव चड्ढा को सुरक्षा घेरा प्रदान किया था तभी से यह उम्मीद हो गयी थी कि देर-सबेर राघव भारतीय जनता पार्टी में जाकर कमल थाम सकते हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी को ऐसे नेता खूब सुहाते हैं जो जांच एजेंसियों से डर जाते हैं। क्योंकि जांच के घेरे में तो आप सांसद संजय सिंह भी हैं लेकिन वह नहीं गये और न ही जायेंगे, क्योंकि वह डरपोक नहीं हैं। और भाजपा को तो डरपोक नेता चाहिए। यह कहा जा सकता है कि भाजपा को दागी और डरपोक लोग पसंद हैं।

वैसे यह पहला मौका नहीं है भारतीय जनता पार्टी ने इससे पहले विपक्षी दलों के तमाम ऐसे सांसदों, विधायकों और नेताओं को दूसरे दलों से अपने यहां लिया है जिन पर ईडी, सीबीआई और पुलिस जांच में पहले घेरा गया और बाद में उनको अपने यहां शामिल करा कर साफ-सुथरा करार कर दिया गया।

राघव चड्ढा को तो मानिये नाराजगी के चलते पार्टी छोड़नी पड़ी लेकिन रास में उपनेता के पद से हटाने के बाद मीडिया से कहा था कि हारा नहीं हूं और उन्हों ने पूरी आप पार्टी को तोड़कर बदला ले लिया। उनके साथ स्वाति मालीवाल और हरभजन सिह भी हैं। इतना ही नहीं, बलबीर सिह सीचेवाल और विक्रमजीत सिह साहनी भी आप छोड़ रहे हैं। ये सभी पंजाब से सांसद हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि इन नेताओं के पार्टी छोड़ने से पंजाब की राजनीति में भूचाल आ सकता है। आने वाले पंजाब विधान सभा चुनाव में इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है।

उधर संदीप पाठक ने कहा कि वह मां भारती की सेवा करने के लिए भाजपा में आये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सेवा ही देश की सेवा है। दरअसल केजरीवाल और राघव चड्ढा में दूरियां उसी दिन से नजर आने लगी थी जब केजरीवाल जेल में थे और राघव अपनी पत्नी परिनीति के साथ लंदन में घूमते व मस्ती की फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे थे। राघव को लोकसभा चुनाव में भी पंजाब से दूर रखा गया। औपचारिक तौर पर वे श्री आनंदपुर साहब सीट पर नजर आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा पार्टी के अहम मुद्दों पर अपेक्षाकृत शांत नजर आ रहे थे। विपक्ष जहां इसे आप के अंदरूनी मतभेद का संकेत बता रहा है। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिह और नए उपनेता डॉ. अशोक कुमार मित्तल ने इसे एक सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया करार दिया है।

स्थानीय जलवायु और मिट्टी की प्रकृति के अनुसार बीजों का चयन, उनके संरक्षण और संवर्धन में महिलाओं की खासी भागीदारी रही है। आधुनिक कृषि में रसायनों के अत्यधिक इस्तेमाल ने मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस संकट को देखते हुए बहुत सारी महिला किसानों ने तेजी से जैविक और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की ओर रुख किया है। वे जानती हैं कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों का सीधा दुष्प्रभाव उनके परिवार के स्वास्थ्य और स्थानीय भूजल पर पड़ता है। इसलिए उन्होंने केंचुए से खाद तैयार करने, नीम और अन्य वनस्पतियों से कीटनाशक बनाने और फसल चक्र को वैज्ञानिक तरीके से अपनाने का काम शुरू कर दिया है।

खेतों की असली कमान संभाल रहीं महिलाएं, फिर भी 'किसान' का दर्जा नहीं

(रंजना मिश्रा)

जब महिलाएं वित्तीय संस्थानों या सहकारी समितियों के पास ऋण के लिए जाती हैं, तो अचल संपत्ति या भूमि की गारंटी न होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। ऐसे में उन्हें स्थानीय साहूकारों पर निर्भर होना पड़ता है, जिनकी ब्याज दरें बहुत अधिक होती हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा का मूल ढांचा पूरी तरह से कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। पिछले कुछ दशकों में इस क्षेत्र में व्यापक जनसांख्यिकीय बदलाव देखने को मिला है। रोजगार और बेहतर आजीविका की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से पुरुषों का शहरों की ओर पलायन तेजी से बढ़ा है। इसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक नई परिस्थिति को जन्म दिया है। आज खेत तैयार करने से लेकर बीज रोपने, निराई–गुड़ाई, कटाई और अनाज के सुरक्षित भंडारण तक के मामले में अच्छे–खासे अनुपात में जिम्मेदारी महिलाओं ने अपने कंधों पर ली है।

इसके बावजूद, यह एक गंभीर प्रशासनिक और नीतिगत विफलता है कि जो महिलाएं कृषि कार्यों का एक बड़ा हिस्सा हिस्सा संभाल रही हैं, उन्हें आज भी आधिकारिक रूप से किसान का दर्जा हासिल नहीं है। यह विचारणीय विषय है कि महिला किसान वर्तमान कृषि संकट के समाधान में एक अहम भूमिका निभा सकती हैं। अगर नीतिगत स्तर पर कुछ बाधाओं को दूर कर दिया जाए, तो महिलाएं देश की संपूर्ण ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल सकती हैं। मगर इसके लिए सबसे पहले कृषि क्षेत्र में महिलाओं के योगदान और उनकी पहचान के बीच की खाई को समझना आवश्यक है।

सरकारी आंकड़ों और राजस्व प्रलेखों में किसान उसे माना जाता है, जिसके नाम पर कृषि भूमि पंजीकृत होती है। हमारे पितृसत्तात्मक सामाजिक ढांचे में भूमि का स्वामित्व पीढ़ी–दर–पीढ़ी पुरुषों के नाम ही हस्तांतरित होता रहा है। भूमि का वैधानिक पट्टा हाथ में न होने के कारण व्यवस्था की नजर में महिलाएं केवल कृषि मजदूर या परिवार की सहायक मात्र बन कर रह जाती हैं। यह केवल पहचान का संकट नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी आर्थिक और ढांचागत बाधा है। जब एक महिला कानूनी रूप से कृषक नहीं होती, तो वह राज्य द्वारा दी जाने वाली किसी भी संस्थागत सुविधा की पात्र नहीं मानी जाती।

जब महिलाएं वित्तीय संस्थानों या सहकारी समितियों के पास ऋण के लिए जाती हैं, तो अचल संपत्ति या भूमि की गारंटी न होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। ऐसे में उन्हें स्थानीय साहूकारों पर निर्भर होना पड़ता है, जिनकी ब्याज दरें बहुत अधिक होती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी अनुदान, न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ और फसल नष्ट होने की स्थिति में मिलने वाला बीमा का पैसा भी उसी व्यक्ति के बैंक खाते में जाता है, जिसके नाम पर जमीन होती है। यानी खेत में मेहनत महिला भी करती है, लेकिन आर्थिक नियंत्रण और सुरक्षा जाल से वह पूरी तरह बाहर रहती है।

स्थानीय जलवायु और मिट्टी की प्रकृति के अनुसार बीजों का चयन, उनके संरक्षण और संवर्धन में महिलाओं की खासी भागीदारी रही है। आधुनिक कृषि में रसायनों के अत्यधिक इस्तेमाल ने मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस संकट को देखते हुए बहुत सारी महिला किसानों ने तेजी से जैविक और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की ओर रुख किया है। वे जानती हैं कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों का सीधा दुष्प्रभाव उनके परिवार के स्वास्थ्य और स्थानीय भूजल पर पड़ता है। इसलिए उन्होंने केंचुए से खाद तैयार करने, नीम और अन्य वनस्पतियों से कीटनाशक बनाने और फसल चक्र को वैज्ञानिक तरीके से अपनाने का काम शुरू कर दिया है।

जलवायु परिवर्तन आज कृषि के लिए सबसे बड़ा खतरा है। अनियमित वर्षा, बढ़ता तापमान और सूखे की मार का सीधा असर फसलों के उत्पादन पर पड़ता है। इन विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए महिला कृषकों ने व्यावहारिक और संसाधन–कुशल तरीके अपनाए हैं। उन्होंने जल संरक्षण के लिए खेत के चारों ओर मेड़बंदी करने, वर्षा जल संचयन के लिए छोटे पोखर बनाने और कम पानी में पकने वाली स्थानीय फसलों को प्राथमिकता देने की रणनीति अपनाई है। पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है। व्यावहारिक स्तर पर देखें, तो यह आमतौर पर महिलाओं के प्रबंधन पर निर्भर है। दूध उत्पादन से लेकर गोबर के कृषि उपयोग तक, हर एक चरण में उनका तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान किसी भी औपचारिक कृषि शिक्षा से कम नहीं है।

वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं ने अपनी कमजोरियों को दूर करने के लिए सामूहिकता का सहारा लिया है। पूरे देश में लाखों स्वयं सहायता समूह और महिला सहकारी समितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति ला रही हैं। जिन महिलाओं के पास व्यक्तिगत रूप से संसाधन नहीं थे, उन्होंने समूह बना कर छोटी–छोटी पूंजी एकत्रित की है। अब ये महिलाएं बिचौलियों पर निर्भर रहने के बजाय सीधे बाजार से संपर्क कर रही हैं। वे सामूहिक रूप से उन्नत बीज खरीदती हैं, कृषि उपकरणों को किराए पर लेती हैं और अपनी उपज को सीधे थोक बाजार में उचित मूल्य पर बेचती हैं। स्थानीय स्तर पर अनाज की छंटाई, साफ–सफाई, मसालों की पिसाई और फलों–सब्जियों के प्रसंस्करण के छोटे कुटीर उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं। इससे न केवल फसल का बेहतर मूल्य मिल रहा है, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन भी हो रहा है।

जब धन किसी महिला के हाथ में आता है, तो उसका वितरण परिवार के विकास और मानव संसाधन के निर्माण में सबसे अधिक होता है। एक सशक्त महिला किसान अपनी आय का सबसे बड़ा हिस्सा अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों की शिक्षा और परिवार के पोषण पर खर्च करती है। इसका सीधा अर्थ यह है कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता केवल उनकी उन्नति नहीं है, बल्कि यह कुपोषण, बाल विवाह और अशिक्षा जैसी गंभीर सामाजिक बीमारियों का सबसे प्रभावी उपचार है। जब गांव की आर्थिकी महिलाओं के नियंत्रण में आती है, तो संपूर्ण ग्रामीण समाज के स्वास्थ्य और शिक्षा के सूचकांकों में सुधार दर्ज किया जाता है।

राज्यों के राजस्व कानूनों में ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए जो महिलाओं के नाम पर या कम से कम पति–पत्नी के संयुक्त नाम पर भूमि के पंजीकरण को अनिवार्य या प्रोत्साहित करें। संपत्ति पंजीकरण शुल्क में महिलाओं को दी जाने वाली छूट का दायरा और बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि परिवार स्वप्रेरणा से महिलाओं को भूमि का कानूनी अधिकार सौंपें। जब तक राजस्व दस्तावेजों में उनका नाम दर्ज नहीं होगा, तब तक किसी भी सरकारी योजना का सीधा लाभ उन तक पारदर्शी तरीके से नहीं पहुंच सकेगा।

दूसरा अहम सुधार कृषि उपकरणों और प्रौद्योगिकी के डिजाइन में होना चाहिए। आज बाजार में उपलब्ध ट्रैक्टर से लेकर हाथ से चलने वाले छोटे कृषि यंत्रों का निर्माण मुख्य रूप से पुरुषों की शारीरिक संरचना और क्षमता को ध्यान में रख कर किया गया है। चूंकि अब खेतों में मुख्य रूप से महिलाएं काम कर रही हैं, इसलिए कृषि अनुसंधान केंद्रों और अभियांत्रिकी संस्थानों को ऐसे उपकरण विकसित करने होंगे, जो वजन में हल्के हों, चलाने में आसान हों और महिलाओं के अनुकूल हों।

भारत की कृषि व्यवस्था एक संक्रमण काल से गुजर रही है। इस व्यवस्था को ढहने से बचाने और भविष्य की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने का एक जरूरी विकल्प महिला कृषकों को नीतिगत, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर मुख्यधारा में लाना है। खेती केवल मिट्टी और पानी का खेल नहीं है, बल्कि यह निरंतर चलने वाला एक ऐसा विज्ञान है जिसके लिए धैर्य, सूझबूझ और दूरदृष्टि की आवश्यकता होती है। इन सभी पैमानों पर ग्रामीण महिलाओं ने खुद को साबित किया है। जरूरत इस बात की है कि सरकार और समाज उनके इस मूक श्रम को पहचानें।

लव जेहाद और धर्मांतरण का क्राइम सिंडिकेट

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश के तीन अलग-अलग शहरों में धर्मांतरण और लव जिहाद के मामले सामने आ रहे हैं. नासिक, अमरावती और सूरत से पुलिस एक्शन मोड में है। इन मामलों में पुलिस कार्रवाई कर रही है। धर्मांतरण और लव जिहाद मामलों में पुलिस द्वारा आरोपियों को पकड़ा जा रहा है। इनके नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास हो रहा है। क्या विदेशी कनेक्शन भी है? इसको भी जांच हो रही है।

महाराष्ट्र के अमरावती जिले से बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, 180 नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और उनके अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आने के बाद अब इस पर सियासत भी गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे केवल एक अपराध नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश बताया है। भाजपा नेताओं ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एसआईटी जांच की मांग की है।

अमरावती पुलिस ने मोहम्मद अयाज नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अयाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, खासकर वॉट्सएप और स्नैपचैट के जरिए नाबालिग लड़कियों को अपने जाल में फंसाया। जांच में पता चला है कि आरोपी ने कम से कम 180 लड़कियों का यौन शोषण किया और उनके 350 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किए। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है, जिसमें भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री मिली है। आरोपी फिलहाल सात दिनों की पुलिस हिरासत में है।अमरावती के अलावा नागपुर और परतवाड़ा जैसी जगहों की लड़कियों को भी निशाना बनाया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की अपील की है। वहीं, भाजपा विधायक देवयानी फरांदे ने कहा कि आईटी कंपनियों में महिलाओं के साथ अत्याचार और उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने की खबरें आ रही हैं, जो चिंताजनक है।

उधर महाराष्ट्र के नासिक में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के नासिक यूनिट में सामने आए यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण के मामले ने उद्योग जगत को झकझोर कर रख दिया है। मामले की मुख्य आरोपी निदा खान को सत्र न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उसकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है। वहीं, नासिक पुलिस ने उसकी धरपकड़ के लिए जाल बिछा दिया है। पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले में निदा खान की भूमिका बेहद संदेहास्पद है। उस पर कर्मचारियों के जबरन धर्मांतरण में शामिल होने का गंभीर आरोप है। दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, आरोपी दानिश शेख ने पीड़िता का परिचय तौसीफ और निदा से कराया था। आरोप है कि ये लोग हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक प्रतीकों, विशेषकर शिवलिंग, भगवान कृष्ण और द्रौपदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते थे, जिससे पीड़िता को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर धर्मांतरण के लिए उकसाया जा सके।फरार निदा खान ने अपनी दो महीने की गर्भावस्था का हवाला देते हुए गिरफ्तारी से सुरक्षा मांगी थी। हालांकि, सोमवार को कोर्ट ने उसे कोई राहत नहीं दी और अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अदालत का कोई स्टे ऑर्डर नहीं है, इसलिए उसे तलाशने के लिए तीन टीमें अलग-अलग ठिकानों पर भेजी गई। जांच में सामने आया है कि इस शोषण का शिकार होने वाली अधिकांश युवतियां मध्यमवर्गीय परिवारों से हैं, जिनकी उम्र 21 से 30 वर्ष के बीच है और वेतन लगभग 20,000 रुपये प्रतिमाह है। दूसरी ओर, टीसीएस ने स्पष्ट किया है कि कंपनी ने उत्पीड़न के आरोपों में शामिल कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। हालांकि, कंपनी का यह भी कहना है कि उन्हें आंतरिक चैनलों के माध्यम से ऐसी कोई शिकायत पहले प्राप्त नहीं हुई थी। फिलहाल, नासिक पुलिस की एसआईटी कुल नौ एफआईआर की जांच कर रही है, जिसमें छेड़छाड़, मानसिक प्रताड़ना और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसे गंभीर मामले शामिल हैं।

गुजरात में सूरत के इच्छापोर इलाके में एक नाबालिग हिंदू लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। लव जिहाद जैसे इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी मुस्लिम युवक है और उसकी मदद करने वालों में तीन मुस्लिम और एक हिंदू युवक शामिल है। सोशल मीडिया के जरिए नाबालिग हिंदू युवती को फंसाया गया था और फिर होटल में ले जाकर मुख्य आरोपी ने उससे दुष्कर्म किया था।

इच्छापोर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले इच्छापुर गांव में रहने वाले एक श्रमिक परिवार की कक्षा 12 में पढ़ने वाली नाबालिग बेटी को आरोपी मोहम्मद साजिद उर्फ अहद मोहम्मद जावेद पठान ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर अपने प्रेम जाल में फंसाया था। प्रेम का नाटक कर वह उसे बहला फुसलाकर एक होटल में ले गया। यहा उसने उसके साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए। जब इस बात की जानकारी लड़की के परिवार को हुई, तो वे तुरंत इच्छापोर पुलिस स्टेशन पहुंचे और मामला दर्ज कराया। उधर आरोपी पुलिस द्वारा पकड़े जाने की भनक लगते ही अपने पैतृक स्थान बिहार भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पहचान छिपाने के लिए मुख्य आरोपी मोहम्मद साजिद ने अपने मित्र अभय कुमार शर्मा की मदद ली थी। अभय ने मोबाइल एडिटिंग ऐप के जरिए साजिद के आधार कार्ड में नाम बदलकर अभिषेक गुप्ता (एक हिंदू नाम) कर दिया था।

मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने और कूटनीति को विफल बताने वालों को यह रिपोर्ट देखनी चाहिए

देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से भारत पहले अपनी कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग चालीस से पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करता है उस पर दबाव बढ़ने से कई तरह की अटकलें लगाई गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने वाले और मोदी की विदेश नीति को विफल बताने वाले विपक्षी नेताओं को यह देखना चाहिए कि जब भारत के सामने ऊर्जा संकट मंडराया तो दुनिया के वही देश मदद के लिए खड़े हो गए जिनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षों तक भरोसे का रिश्ता बनाया था।

(नीरज कुमार दुबे)

खासकर अफ्रीकी देशों से बढ़ते आयात ने यह साबित कर दिया है कि भारत ने समय रहते अपने ऊर्जा स्त्रोतों को विविध बनाया था। आज वही रिश्ते और रणनीतिक फैसले भारत की ढाल बनकर खड़े हैं और यही असली कूटनीति की ताकत है।देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से भारत पहले अपनी कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग चालीस से पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करता है उस पर दबाव बढ़ने से कई तरह की अटकलें लगाई गई। लेकिन भारत न तो घबराया और न ही संकट में फंसा। इसका कारण है मोदी सरकार की दूरदर्शी ऊर्जा नीति और समय रहते उठाए गए रणनीतिक कदम।

आज स्थिति यह है कि भारत में कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की उपलब्धता एक महीने पहले की तुलना में काफी बेहतर हो चुकी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार की ऊर्जा की कमी नहीं है और पेट्रोल, डीजल तथा रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु बनी हुई है। यह कोई संयोग नहीं बल्कि सुनियोजित रणनीति का परिणाम है।

देखा जाये तो सबसे बड़ा बदलाव आया है ऊर्जा स्त्रोतों के विविधीकरण में। एक दशक पहले तक भारत केवल 27 देशों से कच्चा तेल लेता था, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 41 हो चुकी है। इसका सीधा मतलब है कि भारत अब किसी एक क्षेत्र पर निर्भर नहीं है। अमेरिका, रूस, कनाडा, नार्वे से लेकर अफ्रीकी देशों जैसे नाइजीरिया, अल्जीरिया और अंगोला तक भारत ने अपने ऊर्जा संबंधों का विस्तार किया है। एलएनजी के लिए कैमरून, इक्वेटोरियल गिनी और मोजाम्बिक जैसे नए साझेदार जुड़े हैं।

यही नहीं, रणनीतिक भंडारण की दिशा में भी भारत ने ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। पिछले 11 वर्षों में 5.3 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार तैयार किया गया है और अतिरिक्त क्षमता पर तेजी से काम चल रहा है। इसका मतलब यह है कि वैश्विक संकट के बावजूद भारत के पास आपूर्ति बनाए रखने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है।

मोदी सरकार ने केवल आपूर्ति बढ़ाने पर ही ध्यान नहीं दिया बल्कि प्रबंधन को भी मजबूत किया। चौबीसों घंटे निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया और एक अंतर मंत्रालयी समूह रोज बैठक कर हालात का आकलन कर रहा है। जमाखोरी रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए गए और राज्यों को आवश्यक वस्तुओं की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया।

यहां सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कूटनीतिक सक्रियता। प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब, यूएई, कतर, ईरान और अमेरिका जैसे देशों के नेताओं से लगातार संपर्क बनाए रखा। इसका सीधा फायदा यह हुआ कि भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हुई और आपूर्ति बाधित नहीं हुई। यह वही देश हैं जिनसे भारत ने संकट के समय पहले भी सहयोग किया था और आज वही रिश्ते काम आए।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह पूरी स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति की बड़ी परीक्षा थी। पश्चिम एशिया जैसे संवेदनशील क्षेत्र में तनाव का सीधा असर भारत पर पड़ सकता था, लेकिन भारत ने अपनी निर्भरता घटाकर इस खतरे को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया। अब होर्मुज मार्ग पर निर्भरता घटकर लगभग तीस प्रतिशत रह गई है।

इसके रणनीतिक निहितार्थ और भी गहरे हैं। भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा कूटनीति का सक्रिय खिलाड़ी बन चुका है। अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों में बढ़ती मौजूदगी भारत को दीर्घकालिक सुरक्षा देती है। साथ ही पाइप्ड नेचुरल गैस जैसे विकल्पों को बढ़ावा देकर एलपीजी पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी काम हो रहा है।

आम जनता पर इसका सकारात्मक असर साफ दिख रहा है। रसोई गैस की आपूर्ति जारी है, भले ही घबराहट में बुकिंग बढ़ने से डिलीवरी में चार से पांच दिन का समय लग रहा हो, लेकिन कहीं भी गैस खत्म होने की खबर नहीं है। किसानों के लिए उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है और पेट्रोल, डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए उत्पाद शुल्क में कटौती की गई है।

यह पूरा घटनाक्रम एक बात साफ करता है कि मोदी सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा को केवल नीतिगत मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा माना है। आज जब दुनिया के कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं तब भारत मजबूती से खड़ा है।

बहरहाल, विपक्ष को यह समझना होगा कि विदेश यात्राएं केवल फोटो खिंचवाने के लिए नहीं होतीं, बल्कि संकट के समय काम आने वाले रिश्ते बनाने के लिए होती हैं। और जब संकट आया, तो वही रिश्ते भारत के लिए कवच बन गए। यही है नई भारत की आक्रामक, आत्मविश्वासी और दूरदर्शी कूटनीति।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति-2026' मंजूरी ऐतिहासिक निर्णय : दक्ष वैद्य साहू

घर-घर पाइपलाइन गैस से आम जनता, किसानों और पर्यावरण को होगा सीधा लाभ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कैबिनेट के निर्णय का भाजपा किसान मोर्चा ने किया स्वागत

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भाजपा किसान मोर्चा के सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति-2026' को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह नीति शहरी क्षेत्रों में सुविधाजनक ईंधन व्यवस्था विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा एवं ऐतिहासिक कदम है। श्री दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'वन नेशन, वन गैस ग्रिड' के विजन को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार धरातल पर उतार रही है। घरों तक पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) पहुंचने से एलपीजी सिलेंडर की तुलना में किफायती, सुरक्षित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी। पीएनजी हवा से हल्की होने के कारण लीकेज होने पर भी उड़ जाती है, जिससे दुर्घटना का खतरा नहीं रहता, जबकि एलपीजी सिलेंडर भारी होने के कारण जमीन पर जमा होकर आग पकड़ सकता है।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभ -श्री दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि इस नीति से केवल शहर ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। पाइपलाइन अधोसंरचना के विकास से बड़े पैमाने पर निवेश आएगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्वच्छ ईंधन से खाना पकाने में महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिलेगी और स्वास्थ्य बेहतर होगा। किसान परिवारों का समय और पैसा दोनों बचेंगे क्योंकि बार-बार सिलेंडर बुक करने, लाइन लगाने और ढोने की झंझट खत्म हो जाएगी। 24 घंटे गैस उपलब्ध होने से छोटे होटल, ढाबे, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को भी बढ़ावा मिलेगा।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव का आभार -श्री दक्ष वैद्य साहू ने उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन सरकार' गरीब, किसान, महिला और युवा सभी वर्गों के जीवन को आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उज्ज्वला योजना के बाद घर-घर पीएनजी पहुंचाना मोदी-साय सरकार का अगला बड़ा कदम है।

श्री दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि विपक्ष ने वर्षों तक केवल घोषणाएं कीं, लेकिन भाजपा सरकार ने नीति बनाकर उसे मंजूरी देकर दिखा दिया कि हम जनता से किए वादे पूरे करते हैं।

किसान मोर्चा और हिन्द सेना युवा ब्रिगेड इस नीति का प्रचार-प्रसार करेगी ताकि हर परिवार को योजना की जानकारी मिले और अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों।

हाई रिस्क गांवों में टीबी की तलाश तेज : 214 लोगों का ऑन-द-स्पॉट एक्स-रे

बीजापुर/मूक पत्रिका

टीबी मुक्त भारत अभियान को जिले में अब जमीन पर रफ्तार मिलती दिख रही है। विकासखंड भोपालपटनम के हाई रिस्क गांवों में लगाए गए आयुष्मान आरोग्य शिविरों में 214 ग्रामीणों की मौके पर ही एक्स-रे जांच की गई। इससे संदिग्ध मरीजों की समय रहते पहचान कर उपचार शुरू करने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने गोरला आश्रित ग्राम दंपाया और चेरपल्ली में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से यह विशेष शिविर आयोजित किए। यहां हैंड हेल्ड मशीन से ग्रामीणों का एक्स-रे किया गया, ताकि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को शुरुआती स्तर पर ही पकड़ा जा सके।

फोकस : हाई रिस्क क्षेत्रों में एक्टिव केस फाइंडिंग

अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसे गांवों में सक्रिय रूप से मरीजों की खोज करना है, जहां टीबी का खतरा ज्यादा है। जांच के साथ ही लोगों को लक्षण, बचाव और इलाज को लेकर जागरूक भी किया गया।शिविर में जिला और ब्लॉक स्तर के स्वास्थ्य अमले की मौजूदगी रही। इसमें डीपीसी हरीश कौशिक, एसटीएस तोरण नेताम, एसीएफ दीपक तोमर, एक्स-रे टेक्नीशियन, सीएचओ, आरएचओ (महिला), एमटी और मितानिनों ने मिलकर व्यवस्थाएं संभालीं।स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, ऐसे शिविरों से ग्रामीण इलाकों में न केवल जांच की पहुंच बढ़ रही है, बल्कि लोगों में टीबी को लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी आगे आकर जांच कराई और इस पहल की सराहना की।

कामगारों की मेहनत से ही गढ़ती है तरक्की की इबारतः श्रमिक दिवस पर श्री श्याम ग्रुप में सम्मान समारोह

जांजगीर/मूक पत्रिका

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर श्री श्याम ग्रुप, बनारी में श्रमिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर ग्रुप के कामगारों को प्रबंधन की ओर से गमछा, मिष्ठान्न और शरबत का वितरित कर उनके श्रम और समर्पण का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मैनेजिंग डायरेक्टर श्री लीलाधर सुल्तानिया और डायरेक्टर श्री अभिनव सुल्तानिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मैनेजिंग डायरेक्टर श्री लीलाधर सुल्तानिया ने कहा कि बदलते दौर में कामगार केवल श्रमशक्ति नहीं, बल्कि विकास की असली धुरी बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज अवसरों की कोई कमी नहीं है, बल्कि हर मेहनतकश हाथ अपने कौशल से नए आयाम गढ़ सकता है। उद्योगों की प्रगति और देश की आर्थिक मजबूती के पीछे कामगारों की मेहनत और प्रतिबद्धता ही सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब श्रमिक सशक्त होता है, तभी उद्योग मजबूत होता है और राष्ट्र विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता है।वहीं डायरेक्टर श्री अभिनव सुल्तानिया ने अपने संबोधन में सभी कामगारों को परिवार का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की असली ताकत उसके लोग होते हैं। उन्होंने कहा कि आपसी सहयोग, विश्वास और एकजुटता से ही निरंतर प्रगति संभव है। उन्होंने कामगारों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और जिम्मेदारी की भावना ही श्री श्याम ग्रुप को आगे बढ़ा रही है।कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों में उत्साह का माहौल रहा और सभी ने एकजुट होकर संस्था की प्रगति तथा समाज और देश के विकास में निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया।

कलेक्टर-एसपी ने नीट परीक्षा तैयारियों का किया निरीक्षण

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल ने आगामी 3 मई को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित होने वाली नीट (हृश्वश्वञ्ज) परीक्षा की तैयारी को लेकर विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्रों में बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, बिजली, सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं। पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा के दौरान सुरक्षा, कानून-व्यवस्था ,पुलिस बल की तैनाती , केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए । कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने केंद्र प्रभारी को भी निर्देशित किया कि निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शशि चौधरी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

3 वर्षों से सीमांकन के लिए भटक रहा किसान, अब तक कार्रवाई शून्य

कवर्धा/रुद्रपथ

कबीरधाम जिले के ग्राम छिरहा में जमीन सीमांकन से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां किसान दिलीप चंद्रवंशी पिछले तीन वर्षों से अपनी भूमि के सीमांकन के लिए लगातार आवेदन दे रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे किसान को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिलीप चंद्रवंशी ने ग्राम छिरहा स्थित खसरा नंबर 46/8, रकबा 0.0202 हेक्टेयर भूमि चंदा बाई मानिकपुरी से विधिवत खरीदी थी। खरीद के समय जमीन से संबंधित सभी दस्तावेज रजिस्ट्री, पर्ची, नक्शा और खसरा सही एवं व्यवस्थित थे। किसान ने वर्ष 2022-23 में उक्त भूमि पर धान की खेती कर उत्पादन भी लिया और सोसायटी में बिक्री की, जिससे उस समय रिकॉर्ड की स्थिति स्पष्ट होती है। किसान का आरोप है कि वर्ष 2024 में अचानक जमीन का नक्शा राजस्व रिकॉर्ड से गायब हो गया, जिससे सीमांकन की प्रक्रिया रुक गई। इसके बाद उन्होंने कई बार पटवारी, राजस्व निरीक्षक और तहसीलदार को आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। दिलीप चंद्रवंशी ने बताया कि 2 मार्च 2024 को उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी को भी आवेदन दिया था, लेकिन उस पर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मामला उप मुख्यमंत्री तक भी पहुंचा, जहां से कलेक्टर को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद 17 नवंबर 2025 को तहसीलदार द्वारा आरआई और पटवारी को नक्शा बटांकन के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, लेकिन इसका भी कोई प्रभाव नहीं दिखा।

योगिता कहरा ने कक्षा बारहवी में 89.2 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया

शिवरीनारायण/मूक पत्रिका

नगर के सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा कु. योगिता कहरा ने कक्षा बारहवी में 89.20 प्रतिशत अंक प्राप्त अपने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त की है। योगिता गणित संकाय की छात्रा है। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा एवं हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए मार्च महीने में परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसकी उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यॉकन पश्चात् परीक्षा परिणाम कल दिनांक 29.04.2026 बुधवार को जारी किया गया था। नगर में चित्रोत्पला शिक्षण समिति द्वारा सॅचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवरीनारायण में कक्षा द्वादश में अध्यनरत छात्रा कु. योगिता कहरा को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर की ओर से इंटरनेट वेबसाईट द्वारा जारी परीक्षा परिणाम के अनुसार 89.20 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ है। कु. योगिता शुरूआत से ही मेधावी छात्रा रही है। कु. योगिता शिवरीनारायण के सरस्वती शिशु मॅदिर के समीप स्थित टिकरीपारा निवासी भरत आदित्य की सुपुत्री है। उन्होने अपनी सफ्लता का श्रेय विद्यालय के अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं सहित विद्यालय परिवार को दी है। योगिता प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र में आकर देश की सेवा करना चाहती है।

62 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर वन चौकीदार टेकराम को भावभीनी विदाई

धमतरी/मूक पत्रिका

-धमतरी जिले के बोराई परिक्षेत्र में वन विभाग के अनुभवी चौकीदार टेकराम को 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर विभागीय कर्मचारियों ने उनके लंबे सेवाकाल, ईमानदारी और समर्पण की सराहना करते हुए भावुक माहौल में उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी दिनेश साहू सहित मनोज खरे, छबि नारायण साहू, पवन देव, शिवशंकर पटेल, हेमंत पुरी और टुपेश सोम सहित अन्य कर्मचारियों ने टेकराम के कार्यों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वर्षों तक निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया और विभाग के लिए एक मिसाल कायम की।

सहकर्मियों ने श्री टेकराम को शॉल एवं श्रीफ्ल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना की। विदाई समारोह में उपस्थित कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए गए अनुभवों को साझा किया, जिससे माहौल भावुक हो गया।अपने संबोधन में टेकराम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग के सहयोग और साथ ने उनके कार्यकाल को यादगार बना दिया। उन्होंने सभी से इसी तरह निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने की अपील की। कार्यक्रम का समापन सभी के उज्ज्वल भविष्य और विभाग की प्रगति की कामना के साथ हुआ।

जिले में जनगणना हेतु मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य प्रारंभ

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में आज 1 मई से भारत की आगामी जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस चरण में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर सर्वे कर मकानों एवं परिवारों से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। इस प्रक्रिया के अंतर्गत प्रगणक प्रत्येक मकान का सर्वे करते हुए भवन की स्थिति, निर्माण सामग्री, उपयोग (आवासीय/व्यावसायिक), कमरों की संख्या, पेयजल, शौचालय, बिजली, गैस सुविधा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी दर्ज करेंगे। इस बार जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं आधुनिक बनाने के लिए डिजिटल माध्यम का उपयोग किया जा रहा है। कलेक्टर महोबे ने कहा कि जनगणना का यह प्रथम चरण अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी के आधार पर आगामी वर्ष जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी प्रदान कर इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करें।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मकान सूचीकरण कार्य समयबद्ध, त्रुटिरहित एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी प्रगणकों को निर्धारित प्रारूप एवं दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।

जिला प्रशासन द्वारा सर्वे कार्य की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके और जनगणना कार्य सफ्लतापूर्वक संपन्न हो।

सिने साउंड प्रोडक्शन के बैनर तले छत्तीसगढ़ी फिल्म 'दिलदार मोर यार' 29 मई 2026 को होगी रिलीज़

इतेश सोनी रायपुर। सिने साउंड प्रोडक्शन के बैनर तले बनी बहुप्रतीक्षित छत्तीसगढ़ी फिल्म 'दिलदार मोर यार' 29 मई 2026 को पूरे छत्तीसगढ़ के विभिन्न सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म का निर्माण नंदिता सतपथी ने किया है, जबकि इसकी कहानी, पटकथा, संवाद और निर्देशन नीतेश लहरी द्वारा किया गया है।'दिलदार मोर यार' एक त्रिकोणीय प्रेम कथा पर आधारित फिल्म है जिसमें पारिवारिक, सामाजिक और भावनात्मक मूल्यों को प्रमुखता से दिखाया गया है। फिल्म की कहानी के साथ-साथ इसके गीतङ्कसंगीत भी दर्शकों को एक नया अनुभव देंगे। यह एक प्रयोगात्मक फ़िल्म है जिसमें पहली बार हिंदी दर्शकों को भी ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ी के साथ हिंदी गीत-संगीत व संवाद का इस्तेमाल किया गया है। फिल्म के निर्माताओं ने बताया कि इसे पूर्ण मनोरंजन के साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। छत्तीसगढ़ी सिनेमा में पहली बार दर्शकों के स्वाद को देखते हुए आधुनिक तकनीक, बेहतरीन संगीत और संवेदनशील कहानी को जोड़ा गया है।

फिल्म में प्रमुख कलाकारों में नायक अज्जू सतपथी, भूपेश लिल्हारे, नायिका दीपिका सिंह और कंचन विश्वकर्मा शामिल हैं। इनके साथ ही विजय मिश्रा, श्वेता शर्मा, आकांक्षा देवांगन, सिम्मी ध्रुव, बलराज पाठक, नोखु सिंगौर, प्रमिला रात्रे, अमूल्यनिधि मिश्रा, अखिलेश वर्मा, जय गुप्ता, माही साहू व राजेन्द्र देवांगन जैसे कलाकारों ने भी अपने अभिनय का जलवा दिखाया है। फिल्म की तकनीकी टीम में गीतकार सलाम ईरानी, संगीतकार अज्जू सतपथी, गायक अज्जू सतपथी और मोनिका वर्मा, छायांकन में लक्ष्मण यादव, मेकअप में रज्जु सेन, डांस डायरेक्शन में राम यादव, एक्शन डायरेक्शन में आनंद साहू, संपादन में गौरांग त्रिवेदी, पोस्टर डिज़ाइन में मंडल ग्राफिक्स, बीजीएम में सूरज महानन्द, सहायक निर्देशक के रूप में राजेन्द्र देवांगन, माही साहू और वमषि कृष्णा, फिल्म वितरक - तरुण सोनी, कार्यकारी निर्माता अज्जू सतपथी तथा डिजिटल प्रमोशन की जिम्मेदारी राहुल साहु ने संभाली है।फिल्म से जुड़े कलाकारों और तकनीकी टीम को उम्मीद है कि 'दिलदार मोर यार' दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाएगी और छत्तीसगढ़ी सिनेमा के नए स्तर को स्थापित करेगी।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने लॉन्च की रोर ईवीओ (Rorr EVO) मात्र 99,999 रुपये में

नई दिल्ली: भारत की घरेलू अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) आधारित इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल निर्माता, ओबेन इलेक्ट्रिक, ने आज बिल्कुल नई रोर ईवीओ को पहले 10,000 ग्राहकों के लिए 99,999 रुपये (एक्स-शोरूम) की विशेष शुरुआती कीमत पर लॉन्च करने की घोषणा की। इस श्रेणी में एक स्पष्ट बदलाव लाने वाली, रोर ईवीओ में डिज़ाइन, प्रदर्शन और कार्यक्षमता को एक सुगठित पैकेज में रखा गया है, जो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल से सवारों की अपेक्षाओं को फिर से परिभाषित करती है। रोर ईवीओ इस सोच के साथ बनाई गई है कि राइडर्स को रोमांच और ज़रूरत के बीच समझौता न करना पड़े। इसे असली सड़कों की हर ज़रूरत को ध्यान में रखकर एक पूर्ण, बिना समझौते वाली मोटरसाइकिल के रूप में तैयार किया गया है। इसका आक्रामक स्ट्रीटफाइटर डिज़ाइन, दमदार परफॉर्मेंस और सोच-समझकर जोड़े गए फीचर्स इसे चलाने में मज़ेदार और रोज़ाना इस्तेमाल के लिए बेहद आसान बनाते हैं। पहली नज़र में, रोर ईवीओ अपनी बोल्ड, मस्कुलर बनावट और प्रभावशाली स्टांस के साथ अलग दिखती है। इसके सामने के हिस्से को सिग्नेचर फ्रंट पोजीशन लैंप के साथ प्रोजेक्टर हेडलैंप द्वारा परिभाषित किया गया है, जो रोज़मर्रा की सवारी की स्थितियों के लिए एक मजबूत दृश्य पहचान और बेहतर दृश्यता दोनों प्रदान करता है। तराशे हुए बॉडी पैनल, प्रीमियम विवरण और एक संतुलित सिल्हूट इसकी सड़क पर उपस्थिति को और अधिक मजबूत करते हैं। रोर ईवीओ 110 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक पहुंचती है और 180 किमी आईडीसी की प्रमाणित रेंज प्रदान करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह कठिन दैनिक सवारी के लिए भी समान रूप से सक्षम है। यह ओबेन प्लग (फास्ट चार्जर) से मात्र 90 मिनट में 0–80% फास्ट चार्ज हो जाती है, और सुविधाजनक रोज़मर्रा की चार्जिंग के लिए ओबेन पोर्ट (इसके ऑनबोर्ड चार्जर) से लैस है। इस अनुभव के मूल में स्मार्ट आईक्यू की शुरुआत है, जो ओबेन का नया एआई राइड मोड है। यह वास्तविक समय में राइडिंग पैटर्न का विश्लेषण करता है और रेंज को 15% तक बढ़ाने के लिए पावर डिलीवरी को अनुकूलित करता है। राइडर के व्यवहार के अनुसार स्वचालित रूप से ढलकर, स्मार्ट आईक्यू निरंतर मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता को समाप्त कर देता है, जिससे प्रदर्शन और दक्षता निर्बाध रूप से एक साथ काम करते हैं। मोटरसाइकिल को IP68-रेटेड मोटर से शक्ति मिलती है, जिसे ओबेन इलेक्ट्रिक द्वारा इन-हाउस डिज़ाइन, विकसित और निर्मित किया गया है। इसे एक नई पेश की गई सिंगल-स्टेज चेन ड्राइव के साथ जोड़ा गया है, जो टिकाऊपन को बढ़ाती है और साथ ही पहियों पर मजबूत टॉर्क और अधिक प्रत्यक्ष एवं रोमांचक राइडिंग अनुभव प्रदान करती है। रोर ईवीओ ओबेन की प्रोप्रायटरी 3.4 kWh हाई-परफॉर्मेंस एलएफपी बैटरी से लैस है, जिसे भारतीय परिस्थितियों के लिए इंजीनियर किया गया है। पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरी की तुलना में 50% अधिक हीट रेजिस्टेंस और 2 गुना अधिक लाइफ-साइकिल की पेशकश करते हुए, यह सुरक्षा और विश्वसनीयता के उच्च स्तर को बनाए रखते हुए समय के साथ निरंतर प्रदर्शन प्रदान करती है। बैटरी को बेहतर इम्पैक्ट रेजिस्टेंस के लिए एक उच्च शक्ति वाले एल्यूमीनियम ढांचे में रखा गया है।

प्रदर्शन से परे, रोर ईवीओ अपने सेगमेंट में व्यावहारिकता का एक नया मानक स्थापित करती है। इसमें 680 मिलीमीटर की सेगमेंट की सबसे लंबी सीट है, जिसे राइडर और पीछे बैठने वाले यात्री दोनों के आराम को बढ़ाने के लिए एक सिंगल यूनिट के रूप में डिज़ाइन किया गया है, और यह 780 मिलीमीटर की अपनी श्रेणी में सबसे सुलभ सीट ऊंचाई में से एक है। मोटरसाइकिल में पहली बार, रोर ईवीओ 10 लीटर की कुल स्टोरेज क्षमता प्रदान करती है, जिसमें अंडर-सीट स्टोरेज और टैंक पॉड स्टोरेज के साथ-साथ डुअल यूएसबी चार्जिंग पोर्ट शामिल हैं, जो इस श्रेणी में शायद ही कभी देखे जाने वाले दैनिक सुविधा के स्तर को पेश करते हैं। रिवर्स मोड तंग शहरी वातावरण में इसके उपयोग को और भी आसान बनाता है।

780 मिलीमीटर की सीट ऊंचाई और 200 मिलीमीटर के ग्राउंड क्लीयरेंस का अनूठा संयोजन इसे भारतीय बाजार में सबसे आरामदायक और व्यावहारिक मोटरसाइकिलों में से एक बनाता है। रोर ईवीओ 230 मिलीमीटर की वॉटर-वेडिंग क्षमता भी प्रदान करती है, जो इसे विभिन्न सड़क और मौसम की स्थितियों के लिए उपयुक्त बनाती है। सुरक्षा और कनेक्टिविटी भी रोर ईवीओ अनुभव का अभिन्न हिस्सा हैं। यह मोटरसाइकिल फॉल अलर्ट विद इमरजेंसी असिस्ट पेश करती है, एक ऐसी विशेषता जो गिरने का पता लगाती है और ओबेन ऐप के माध्यम से अलर्ट भेजती है, और आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन संपर्कों को सूचित करती है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड – वित्त वर्ष 2025-26 के वित्तीय परिणाम

आज आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा कर दी । वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में बैंक ने 1,935 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही 1,943 करोड़ का ऑपरेटिंग प्रॉफिट दर्ज किया। एनआईएम 15 बीपीएस की सालाना वृद्धि के साथ 4.15% रहा। सी.आर.ए.आर में साल-दर-साल 160 बीपीएस की वृद्धि के साथ 26.65% दर्ज हुआ। रिटर्न ऑन एसेट्स (आर.ओ.ए) में साल-दर-साल 29 बीपीएस की वृद्धि दर्ज हुई और यह 2.27% रहा। 31 मार्च, 2026 को शुद्ध एनपीए अनुपात 0.15% पर स्थिर रहा। सकल एनपीए अनुपात में 31 मार्च, 2025 को 2.98त्न की तुलना में सुधार हुआ और 31 मार्च, 2026 को यह 2.32% दर्ज हुआ । 31 मार्च, 2026 को पीसीआर 99.39% रहा, जो सितंबर 2023 से लगातार 99% से ऊपर बना हुआ है।

होर्मुज सुरक्षा के लिए अमेरिका बनाएगा गठबंधन, वैश्विक व्यापार-ऊर्जा संकट से बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने एक बड़ी रणनीतिक पहल शुरू की है। व्हाइट हाउस अब एक नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को तैयार करने की कोशिश में है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रस्तावित योजना का नाम मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट (एमएफसी) रखा गया है। इसका मकसद विभिन्न देशों को एक साथ लाकर समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा को मजबूत करना है। इस योजना में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड मिलकर

काम करेंगे। विदेश विभाग कूटनीतिक नेतृत्व करेगा, जबकि सेंट्रल कमांड समुद्री निगरानी और सूचना साझा करने का जिम्मा संभालेगा। वैश्विक देशों से समर्थन की अपील अमेरिका अपने साझेदार देशों से इस गठबंधन में शामिल होने की अपील कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह भी पूछा जा रहा है कि क्या देश इस पहल में राजनयिक या सैन्य साझेदार बनना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सामूहिक कार्रवाई से वैश्विक व्यापार मार्गों को सुरक्षित किया जा सकेगा और ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

ईरान के साथ तनाव और समुद्री टकराव: यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया है कि जब तक ईरान परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता, तब तक समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। वहीं ईरान की ओर से चेतावनी दी गई है कि इस नाकाबंदी का जवाब अभूतपूर्व कार्रवाई से दिया जाएगा।

आगे क्या हो सकता है?: अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चा है कि यह संघर्ष आगे बढ़कर या तो किसी नए परमाणु समझौते में बदल सकता है या फिर लंबा सैन्य तनाव बन सकता है। फिलहाल, दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या यह नया गठबंधन समुद्री व्यापार को स्थिर कर पाएगा या नहीं।

कतर जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर, एक मई से हमाद एयरपोर्ट के लिए शुरू होंगी उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप सरकार द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को लेकर संसद में तीखी बहस देखने को मिली। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ जब कांग्रेस के सामने पेश हुए, तो विपक्षी नेताओं ने युद्ध के खर्च और उद्देश्य पर सवाल उठाए। इस युद्ध पर अब तक करीब 25 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। कई सांसदों ने आरोप लगाया कि बिना संसद की मंजूरी के युद्ध शुरू करना गलत है। वहीं सरकार का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी भी खतरा बना हुआ है। हालांकि फिलहाल संघर्षविराम लागू है, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस मुद्दे पर अमेरिका की राजनीति में भी मतभेद साफ नजर आ रहे हैं। एक मई से दोहा के लिए फिर शुरू होंगी भारतीय विमान सेवाएं कतर में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक जरूरी जानकारी साझा की है। भारतीय एयरलाइंस अब दोहा के हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अपनी सेवाएं फिर से शुरू करने की तैयारी में हैं। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो एक मई 2026 से दोहा और भारत के अलग-अलग शहरों के बीच अपनी उड़ानें फिर से शुरू करने की योजना बना रही हैं। दूतावास ने बताया कि उड़ानों का यह संचालन संबंधित अधिकारियों और एयरलाइन पार्टनर्स के साथ तालमेल बिठाकर किया जा रहा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उड़ानों के समय, बुकिंग और अन्य जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस के लगातार संपर्क में रहें। यह फैसला क्षेत्र में विमान सेवाओं के लगातार हो रहे विस्तार को देखते हुए लिया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को फिर से सुरक्षित बनाने पर बात हुई। अमेरिका और ईरान के बीच अभी अस्थायी युद्धविराम चल रहा है। इस कारण फिलहाल जंग रुकी हुई है। लेकिन इलाके में तनाव अब भी बना हुआ है। दोनों पक्षों के बीच अभी तक कोई पक्का समाधान नहीं निकल पाया है।

ट्रंप को धमकी देने के आरोप में फंसे एफबीआई के पूर्व प्रमुख, ट्रंप बोले- जेम्स कोमी बुरे और भ्रष्ट आदमी हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एफबीआई के पूर्व प्रमुख जेम्स कोमी पर बुधवार को तीखा हमला बोला और जेम्स कोमी को बुरा और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी बताया। जेम्स कोमी, डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की कथित धमकी देने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जेम्स कोमी ने एक रहस्यमयी पोस्ट किया था, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप को धमकाने के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रंप ने जेम्स कोमी को लेकर क्या कहा: डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अगर कोई भी अपराध के बारे में जानता है तो उन्हें पता होगा कि 86 का मतलब क्या होता है। इसे अपराध की भाषा में हत्या करने के तौर पर देखा जाता है। आपने फिल्मों में देखा होगा कि अपराधी अपने सहयोगियों से किसी के लिए कहते हैं कि उसकी हत्या कर दो और इसके लिए 86 नंबर का इस्तेमाल करते हैं।' ट्रंप ने कहा कि उनकी जान खतरे में थी और जेम्स कोमी जैसे लोग खतरनाक हो सकते हैं। जेम्स कोमी एक बुरे और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी की। उन्होंने हिलेरी क्लिंटन की मदद की। जेम्स कोमी, अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं और साल 2017 में ट्रंप ने उन्हें पद से हटा दिया था। बीते साल मई में जेम्स कोमी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में पत्थरों की एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें पत्थरों को इस तरह से रखा गया था कि वे '86 47' नंबर दर्शा रहे थे। इसे राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी माना गया। आपराधिक और कानूनी जगत में 86 नंबर को हत्या करने के कोडवर्ड के रूप में जाना जाता है। वहीं 47 को डोनाल्ड ट्रंप से जोड़ा जा रहा है क्योंकि वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं। हालांकि जेम्स कोमी ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि वे निर्दोष हैं और उन्हें किसी का डर नहीं है। कोमी ने न्याय विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और कहा कि न्याय विभाग ऐसे काम नहीं करता। इसी पोस्ट के लिए अमेरिका के न्याय विभाग ने जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसकी सुनवाई उत्तरी कैरोलिना की संघीय अदालत में हो रही है। राष्ट्रपति को धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज होने के बाद बुधवार को जेम्स कोमी ने आत्मसमर्पण कर दिया। हालांकि 10 मिनट सुनवाई के बाद उन्हें जाने दिया गया। फिलहाल अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तय नहीं की है।

ट्रंप ने होर्मुज का नाम बदलकर 'ट्रंप जलडमरूमध्य' किया, सोशल मीडिया पोस्ट पर मचा बवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ ऐसा कर दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप जलडमरूमध्य कर दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट को री-पोस्ट किया, जिसमें होर्मुज की तस्वीर को ट्रंप जलडमरूमध्य दिखाया गया है। हालांकि जिस यूजर की पोस्ट को ट्रंप ने री-पोस्ट किया है, वह पोस्ट नहीं दिख रही है।

पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान की खाड़ी के बीच में स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन समुद्री मार्गों में से एक है। इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवन रेखा माना जाता है।

दुनिया का करीब 20-30 प्रतिशत कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। ईरान अमेरिका और इस्राइल युद्ध के चलते ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई और दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल आया। अब अमेरिका ने भी होर्मुज की नाकाबंदी कर दी है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम चल रहा है, लेकिन अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी की हुई है। ईरान ने समझौते के लिए होर्मुज को खोलने का प्रस्ताव दिया है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने होर्मुज की नाकाबंदी को सही बताते हुए कहा कि 'नाकाबंदी, बमबारी से ज्यादा प्रभावी है। ईरान बुरी तरह फंसा हुआ है और उनका दम घुट रहा है। अभी उनकी स्थिति और खराब होगी।' ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज नाकाबंदी से ईरान पर भारी दबाव पड़ रहा है और वे जल्द से जल्द समझौता करना चाहते हैं। हालांकि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बंद कराने की मांग पर अड़े हैं। इससे गतिरोध की स्थिति पैदा हो गई है। ट्रंप सरकार का मानना है कि होर्मुज की नाकाबंदी से ईरान तेल की आपूर्ति नहीं कर पाएगा और इससे ईरान अंदरूनी तौर पर कमजोर होगा।

13 वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले को फांसी: 50 साल बाद मिला न्याय, दोषी को दिया जाएगा मौत का इंजेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में लगभग पांच दशक पुराने जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिए गए जेम्स अर्नेस्ट हिचकॉक को आज शाम मौत की सजा दी जाएगी। 70 वर्षीय हिचकॉक को 13 वर्षीय सौतेली भतीजी के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया था। कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, 31 जुलाई 1976 को हिचकॉक अपने भाई के घर में रह रहा था। घटना वाले दिन वह दोस्तों के साथ कई घंटों तक शराब पीने और मारिजुआना का सेवन करने के बाद घर लौटा। इसके बाद उसने 13 वर्षीय मासूम के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने कहा कि वह घायल है और अपनी मां को सब कुछ बताएगी, तो हिचकॉक ने उसे कमरे से बाहर जाने से रोकने की कोशिश की और फिर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, वह लड़की को घर के बाहर ले गया, जहां उसने उसे पीटा और गला दबाया, जब तक कि वह पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हो गई। इसके बाद उसने शव को पास की झाड़ियों में फेंक दिया। वारदात के बाद हिचकॉक घर लौटा, नहाया और सो गया।

ट्रायल के दौरान बदला बयान

ट्रायल के दौरान हिचकॉक ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि हत्या उसने नहीं बल्कि उसके भाई ने की थी। उसने दावा किया कि लड़की के साथ सहमति से संबंध बनाने के बाद उसका भाई कमरे में आया, उसे बाहर ले गया और गुस्से में उसकी पिटाई व गला घोंटकर हत्या कर दी। हिचकॉक ने कहा कि उसने अपने भाई को बचाने के लिए पहले अपराध अपने ऊपर लिया था। हिचकॉक को 1977 में पहली बार मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अपीलों और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते उसे 1988, 1993 और 1996 में दोबारा मौत की सजा सुनाई गई। हाल ही में फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी रोकने की अपील खारिज कर दी। उसके वकीलों ने दलील दी थी कि वह निर्दोष है और राज्य ने उसे मृत्युदंड से जुड़े सार्वजनिक रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं दी, जिससे उसके बचाव का अधिकार प्रभावित हुआ। फिलहाल उसकी अंतिम अपील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। यह इस साल फ्लोरिडा में छठी फांसी होगी। राज्य के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के कार्यकाल में 2025 में रिकॉर्ड 19 लोगों को फांसी दी गई थी, जो 1976 में मृत्युदंड बहाल होने के बाद किसी भी साल में सबसे ज्यादा है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच हिंद-प्रशांत में चीनी सैन्य ताकत से बढ़ी टेंशन, अमेरिकी सांसदों ने जाहिर की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में अमेरिकी संसद के भीतर इन दिनों वैश्विक रणनीतिक संतुलन को लेकर गंभीर बहस चल रही है। सांसदों ने चिंता जताई है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सैन्य गतिविधियों के बीच हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत अमेरिका की दीर्घकालिक रणनीति को प्रभावित कर सकती है। यह चर्चा उस समय हो रही है जब अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर सैन्य और कूटनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता पर सवाल

अमेरिकी सांसदों ने पेंटागन बजट सुनवाई के दौरान कहा कि चीन अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा, बल्कि वह तेजी से वैश्विक सैन्य ताकत के रूप में उभर रहा है। चीन लगातार अपने नौसैनिक बेड़े, मिसाइल तकनीक और अंतरिक्ष क्षमताओं में निवेश बढ़ा रहा है, जिससे प्रशांत महासागर में शक्ति संतुलन बदल रहा है।

पश्चिम एशिया तनाव का असर

सांसदों ने यह भी चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य तैनाती बढ़ने से हिंद-प्रशांत में तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता कमजोर हो सकती है। उनका कहना है कि अगर अमेरिका का ध्यान इस क्षेत्र से हटता है, तो चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का और अवसर मिल सकता है।

सुनवाई में समिति अध्यक्ष माइक डी. रोजर्स ने कहा कि अमेरिका इस समय अभूतपूर्व वैश्विक खतरे का सामना कर रहा है, जिसमें चीन सबसे बड़ा चुनौतीकर्ता है। वहीं जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन ने कहा कि सैन्य तैनाती हमेशा जोखिम और प्राथमिकताओं के आधार पर संतुलित की जाती है।

रणनीतिक संतुलन की चुनौती

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सरकार की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना दुनिया भर में एक साथ कई खतरों से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि मौजूदा नीति का उद्देश्य तात्कालिक सुरक्षा और दीर्घकालिक रोकथाम दोनों को संतुलित रखना है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह मिडिल ईस्ट और हिंद-प्रशांत दोनों क्षेत्रों में समान रूप से प्रभाव बनाए रखे।

भारती सिंह और कृष्णा अभिषेक ने वर्ल्ड लाफ्टर डे पर खोले दिल के राज़, बताया कैसे ज़िंदा रहती है हंसी की

जब दुनिया साल में एक बार हँसी का जश्न मनाने के लिए रुकती है, तब इंडियन टेलीविज़न का यह किचन किसी याद दिलाने की ज़रूरत नहीं समझता, क्योंकि कलर्स का 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' हर वीकेंड को ही लाफ्टर डे बना देता है। लेकिन इस बार शो ने वर्ल्ड लाफ्टर डे को मनाने के लिए सारे पत्ते खोल दिए और जश्न को उतना ही वाइल्ड और मज़ेदार बना दिया जितना खुद शो है। एपिसोड की शुरुआत एक भावुक पल से होती है, जब शेफ हरपाल सिंह सोखी सभी सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स और स्क्रीन के ज़रिए घर बैठे लाखों दर्शकों को संबोधित करते हैं। इस खास मौके पर उन्होंने सभी को वर्ल्ड लाफ्टर डे की शुभकामनाएँ दीं और पूरे कास्ट को लाफ्टर थेरेपिस्ट्स ऑफ द वर्ल्ड का खिताब दिया एक ऐसा टाइटल जिस पर किसी को आपत्ति नहीं हो सकती। जश्न ने एक शानदार और बेहद स्पॉन्टेनियस मोड़ लिया, जब किचन के बीचोंबीच एक लाइव माइक रख दिया गया। नियम था सीधा और नतीजा था पूरी तरह से हंगामा स्क्रीन पर जिसका नाम फ्लैश होता, उसे माइक पर आकर परफॉर्म करना होता, जबकि बाकी कास्ट अपने-अपने पकवान बनाते रहते। जो नज़ारा सामने आया, वह था अनफ़िल्टर्ड एंटरटेनमेंट का मास्टरक्लास स्टैंड-अप एक्ट्स के बीच छनकते बर्तन, पंचलाइन के साथ सिज़लिंग पैन और पूरे किचन में गूँजती हँसी। वर्ल्ड लाफ्टर डे पर बात करते हुए भारती सिंह ने कहा, मैं भारत की 'लाफ्टर क्वीन' के तौर पर जो प्यार पाती हूँ, उसके लिए दिल से आभारी हूँ। हँसी मेरी लाइफ़लाइन रही है, मेरा कवच रही है और मेरी असली पहचान रही है।

फ्लिपकार्ट, एक्सिस बैंक और पेयू ने कार्ड भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की पेशकश की

नईदिल्ली। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक और भारत के अग्रणी विविध फिनटेक प्लेटफॉर्म पेयू के साथ मिलकर कार्ड भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल के लिए तीन भरोसेमंद संगठन एक साथ आए हैं, जो उपभोक्ता-प्रथम दृष्टिकोण की अपनी साझा विरासत को आगे बढ़ाते हुए भारत के उपभोक्ताओं के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। यह पहल उपयोगकर्ताओं को सहायक एंड्रॉइड और आईओएस डिवाइस पर अपने फिंगरप्रिंट या फेस आईडी का उपयोग करके लेनदेन को प्रमाणित करने की अनुमति देती है, जिससे वन-टाइम पासवर्ड की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह सेवा सबसे पहले एक्सिस बैंक के कार्डधारकों के लिए 'ईश्यूअर-लेवल बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन' के माध्यम से सक्षम की गई है। इस लॉन्च के साथ, फ्लिपकार्ट कार्ड भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की पेशकश करने वाले भारत के अग्रणी प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से एक बन गया है। यह तकनीक ग्राहकों के लिए पेमेंट को ज़्यादा सुरक्षित बनाती है क्योंकि इसमें डिवाइस की पहचान और कड़ी जांच की जाती है। इससे सिम-कार्ड बदलने या ओटीपी के ज़रिए होने वाली धोखाधड़ी का खतरा कम हो जाता है। यह डिजिटल पेमेंट की बड़ी बाधाओं को दूर करता है, एसएमएस वाले ओटीपी की जगह एक तेज़ और ज़्यादा सुरक्षित तरीका लाता है, जिसे स्मार्टफोन चलाने वाले लोग पहले से ही जानते हैं। इस साझेदारी में पेयू मर्चेंट-साइड इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रबंधन करता है, जिसमें डिवाइस सुरक्षा और ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया शामिल है, जबकि एक्सिस बैंक पेमेंट को कन्फर्म करने के लिए विब्मो तकनीक का इस्तेमाल करता है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी पांच गुना बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। इसी को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने 2025 में 'ऑथेंटिकेशन मैकेनिज्म फॉर डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शंस डायरेक्शंस, 2025' सर्कुलर जारी किया था, जिसमें एसएमएस वाले ओटीपी की जगह बायोमेट्रिक और ज़्यादा सुरक्षित तरीकों को अपनाने पर जोर दिया गया था। फ्लिपकार्ट, पेयू और एक्सिस बैंक की यह साझेदारी आरबीआई के उसी लक्ष्य को पूरा करती है, जिससे सुरक्षा बढ़ेगी, लेनदेन की सफलता दर सुधरेगी और पेमेंट इकोसिस्टम और मज़बूत बनेगा।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अप्रैल 2026 में 5 .63 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (HMSI) ने आज अप्रैल 2026 के लिए अपनी सेल्स परफॉर्मेंस की घोषणा की। अप्रैल 2026 में कंपनी की कुल सेल्स 5.63 लाख यूनिट्स रही, जबकि अप्रैल 2025 में यह 4.80 लाख यूनिट्स थी, जो साल-दर-साल 17% की बढ़ोतरी दिखाती है। अप्रैल 2026 में, घरेलू सेल्स 4.84 लाख यूनिट्स रही, जबकि अप्रैल 2025 में यह 4.22 लाख यूनिट्स थी, जो 14.7% की बढ़ोतरी दिखाती है। अप्रैल 2026 में एक्सपोर्ट 0.796 लाख यूनिट्स था, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 0.579 लाख यूनिट्स था, जो 37.4% की बढ़ोतरी दिखाता है। परफॉर्मेंस पर कमेंट करते हुए, एचएमएसआई के प्रेसिडेंट और सीईओ, त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, अप्रैल की परफॉर्मेंस को आगे बढ़ाते हुए, हम डिसिप्लिन्ड और लगातार एग्जीक्यूशन के ज़रिए कस्टमर का भरोसा मज़बूत करना जारी रखे हुए हैं। टू-व्हीलर मार्केट में डिमांड सभी सेगमेंट में मज़बूत बनी हुई है। हम मार्केट के डायनामिक्स के हिसाब से तेज़ी से रिस्पॉन्ड करते रहेंगे, साथ ही सस्टेनेबल और स्टेबल ग्रोथ देने पर फोकस करेंगे। एक मज़बूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और देश भर में हमारे डीलर पार्टनर्स के सपोर्ट से, हम लॉन्ग-टर्म एंटरप्राइज वैल्यू बढ़ाने के लिए कमिटेड हैं। HMSI अपने मज़बूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और 7000 से ज़्यादा टचपॉइंट्स के मज़बूत देशव्यापी नेटवर्क के ज़रिए लगातार ग्रोथ कर रहा है।

गुजरात ने 4 विकेट से हराया, गिल ने 43 रन बनाए; अरशद को 3 विकेट

आईपीएल बेंगलुरु सीजन में तीसरा मैच हारी

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हरा दिया। टीम को मौजूदा सीजन में 5वीं जीत मिली है, जबकि बेंगलुरु तीसरा मैच हारी है। बेंगलुरु 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि गुजरात 10 लेकर 5वें नंबर पर है। अहमदाबाद में गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बेंगलुरु 19.2 ओवर में 155 रन पर ऑलआउट हो गई। मेजबान टीम ने 156 रन का टारगेट 15.5 ओवर में 6 विकेट पर चेज कर लिया। राशिद खान ने सुयश शर्मा की बॉल पर चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।गुजरात टाइटंस ने आरसीबी के खिलाफ गुरुवार को खेले गए आईपीएल मुकाबले में चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में आरसीबी ने गुजरात को 156 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे मेजबानों ने 15.5 ओवर में हासिल कर लिया।

अरशद खान की अगुवाई गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल और जोस बटलर की दमदार बल्लेबाजी के बदौलत गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। गुरुवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने देवदत्त पडिक्कल की 40 रनों की पारी की मदद से 19.2 ओवर में 10 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम ने 15.5 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

साई सुदर्शन ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीन ओवरों में 42 रन की साझेदारी की। सुदर्शन छह रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि गिल ने 18 गेंदों में 43 रन बनाए। उनकी इस पारी में तीन छक्के और चार चौके शामिल रहे। इस टीम ने पांच ओवरों में 57 के स्कोर तक सलामी जोड़ी को गंवा दिया था, जिसके बाद जोस बटलर (39) ने वॉशिंगटन सुंदर (12) के साथ तीसरे विकेट के लिए 15 गेंदों में 35 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया था,

लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद टीम बिखरती नजर आई। आलम ये रहा कि जीटी ने 111 के स्कोर तक पांच विकेट गंवा दिए थे।

गुजरात पांचवें स्थान पर मौजूद

गुजरात की यह आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 26वीं जीत है। वहीं, 13 मुकाबलों में टीम को शिकस्त मिली है। इस जीत के साथ शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम की स्थिति अंक तालिका में मजबूत हो गई है। नौ में से पांच मुकाबले जीत चुकी गुजरात के खाते में 10 अंक हो गए हैं। हालांकि, नेट रन रेट -0.192 है। वहीं, आरसीबी तीन मैच हारकर फिलहाल दूसरे पायदान पर मौजूद है। गुजरात की पारी

आरसीबी की पारी

इससे पहले, आरसीबी को जैकब बेथेल और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 16 गेंदों में 34 रन की साझेदारी की। बेथेल पांच रन बनाकर पवेलियन लौटे। अगले ओवर में टीम ने विराट कोहली का विकेट भी खो दिया, जो 13 गेंदों 28 रन बनाकर आउट हुए। आरसीबी की टीम 3.2 ओवरों में 35 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो चुकी थी। यहां से देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान रजत पाटीदार के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 44 रन की साझेदारी की। पाटीदार 15 गेंदों में 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद पड्डिकल ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि, दूसरे छोर पर जितेश शर्मा (1), टिम डेविड (9) और क्रुणाल पांड्या (4) उनका बखूबी साथ नहीं दे सके। सातवें विकेट के लिए पड्डिकल ने रोमारियो शेफर्ड के साथ 21 गेंदों में 30 रन जुटाए।

थॉमस कप: क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगा भारत

आयुष की फॉर्म और सात्विक-चिराग की जोड़ी से बढ़ी उम्मीदें; भारत ने 2022 का खिताब जीता था

डेनमार्क। भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम का सामना थॉमस कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से होगा। यह मुकाबला शुक्रवार को डेनमार्क के हॉर्सेंस में सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। भारत ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहा। टीम ने कनाडा को 4-1 से और ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया। इसके बाद उसे चीन से 2-3 से हार मिली। दूसरी ओर चीनी ताइपे ग्रुप-ष्ट में पहले स्थान पर रही। पहला मैच उसने स्वीडन से 5-0 से जीता। इसके बाद दक्षिण कोरिया से 3-2 से हार मिली। फिर आखिरी मुकाबले में मेजबान डेनमार्क को 3-2 से हराया। आयुष ने तीनों मैच जीते, डबल्स का भी अच्छा प्रदर्शन भारत के युवा आयुष शेट्टी ने अपने तीनों मैच जीते। एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत तीसरे सिंगल्स की कमान संभाल रहे हैं। श्रीकांत ने चीन के खिलाफ कमबैक जीत दर्ज की। लक्ष्य सेन दो रोमांचक मुकाबले हार गए, लेकिन प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। सात्विक साईराज रंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी ने शुरुआती दो मैच जीते, जबकि चीन से हार मिली। दूसरी डबल्स जोड़ी हरिहरन एएमएस और एमआर अर्जुन ने भी दो मैच जीते हैं। चीनी ताइपे की टीम मजबूत चीनी ताइपे की टीम भी काफी मजबूत है। विश्व रैंकिंग में छठे नंबर के चाउ तियन चेन, विश्व नंबर 8 और ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी, जबकि विश्व नंबर 21 ची यू जेन सिंगल्स में गहराई देते हैं। डबल्स में चियू ह्सियांग चिए और वांग ची-लिन (विश्व नंबर 14), दूसरे डबल्स ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन (विश्व नंबर 16) की जोड़ी खतरनाक है।

भारत की नजरें दूसरे खिताब पर है। टीम ने चार साल पहले 2022 में थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा था। इससे पहले टीम 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक जीत चुकी है।

विनेश अगले माह राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट से वापसी करेंगी

नई दिल्ली। महिला पहलवान विनेश फोगाट अब अगले माह 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में खेलती नजर आयेंगी। इसी के साथ ही 20 महीनों के बाद वह किसी प्रतियोगिता में खेलती दिखेंगी। विनेश ने इस रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए नामंकन करा लिया है। वहीं उन्होंने इससे पहले नामांकन में आने वाली बाधा के बाद आरोप लगाया था कि महासंघ उनकी वापसी नहीं चाहता है पर बाद में उनका नामांकन हो गया। वहीं महासंघ का कहना था कि विनेश के आरोप सही नहीं थे। पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण विनेश ही नहीं, कई अन्य पहलवानों को भी नामांकन में परेशानी आई थी।

चंडीगढ़ में नाबालिग फुटबॉल प्लेयर से छेड़छाड़

टूर्नामेंट में कोच ने अश्लील हरकत की

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में एक नाबालिग फुटबॉल प्लेयर से भरे स्टेडियम में यौन उत्पीड़न हुआ। यौन उत्पीड़न करने वाला कोई और नहीं बल्कि एक नामी फुटबॉल कोच है। प्लेयर का कहना है कि टूर्नामेंट के दौरान 2 टीमों में झगड़ा हुआ। इसी दौरान कोच ने उसके पीछे अंगुली डाल दी। इस मामले में पुलिस ने करीब डेढ़ महीने बाद केस दर्ज किया लेकिन आरोपी कोच को अभी तक अरेस्ट नहीं किया। फुटबॉल प्लेयर की तरफ से इस बारे में चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया और चीफ सेक्रेटरी को शिकायत भेजी गई है। जिसमें उन्होंने कहा कि पुलिस आरोपी को पकड़ने के बजाय गवाहों और शिकायत करने वालों को धमका रही है। उन पर दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि उन्हें स्रद्धक्रकी कॉपी तक नहीं दी जा रही। यही नहीं, बार-बार नोटिस भेज परेशान किया जा रहा। पुलिस की टीमें सीधे एकेडमी के अंदर आकर दहशत का माहौल बना रही हैं। एक अफसर तो हथियार लेकर ही घुस आया। जिससे बच्चे सहम गए। जानिए, कैसे हुई पूरी घटना

गवर्नर को भेजी शिकायत में करीब 15 साल के प्लेयर के वकील ने बताया- इसी साल जनवरी के आखिरी हफ्ते में चंडीगढ़ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में फुटबॉल का टूर्नामेंट था। जहां कई टीमें अलग-अलग स्कूल और एकेडमी से हिस्सा लेने आई हुई थीं। इस दौरान एक मैच में 2 टीमों के बीच विवाद हो गया था। दोनों टीमें आपस में उलझ गईं। इस दौरान नाबालिग खिलाड़ी ने आरोप लगाया कि उसके पीछे में अंगुली डाली गई। उससे वह काफी डर गया। इसके बावजूद उसने यह बात अपने सीनियर व कोच को बताई कि ग्राउंड में लड़ाई के दौरान उसके साथ यह घटना हुई। इसके बाद उसने पहले 28 जनवरी को पोस्को ई-बॉक्स और ई-बाल निदान पोर्टल पर शिकायत की गई। इसके अगले दिन 29 जनवरी को चंडीगढ़ पुलिस के ऑनलाइन पोर्टल पर भी मामला दर्ज कराया गया। इसके बावजूद स्रद्धक्रदर्ज होने में लगभग डेढ़ महीने लग गए और आखिरकार 12 मार्च 2026 को केस दर्ज किया गया।

गोल्फ- टेनिस की प्राइज मनी मिलकर भी फुटबॉल से कम, हर टीम को करीब 118 करोड़ मिलना तय

वॉशिंगटन। फीफा वर्ल्ड कप के लिए कुल प्राइज मनी 727 मिलियन डॉलर (करीब 6800 करोड़ रुपए) से बढ़ाकर 871 मिलियन डॉलर (8250 करोड़ रुपए) कर दी गई है। यही नहीं, हर टीम को मिलने वाली गारंटीड रकम भी बढ़ाकर 12.5 मिलियन डॉलर (करीब 118 करोड़) कर दी गई है। 2022 में प्राइज पूल 440 मिलियन डॉलर (करीब 3600 करोड़) था, यानी इस बार यह लगभग दोगुना हो गया है।

दोगुना हुआ फीफा का प्राइज मनी पूल

अगर इस सदी की शुरुआत से तुलना करें तो वर्ल्ड कप की प्राइज मनी में जबरदस्त उछाल देखने को मिलता है। 2002 में विजेता टीम को करीब 70 करोड़ रुपए मिलते थे, जो 2006 में 150 करोड़, 2010 में 250 करोड़, 2014 में 290 करोड़, 2018 में 315 करोड़ और 2022 में 350 करोड़ तक पहुंच गए। अब 2026 में विजेता को करीब 420 करोड़ रुपए मिलने का अनुमान है। यह दिखाता है कि पिछले 20-25 साल में प्राइज मनी 500% तक बढ़ चुकी है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण टूर्नामेंट की बढ़ती लोकप्रियता, ब्रॉडकास्टिंग राइट्स और स्पॉन्सरशिप से होने वाली भारी कमाई है। 2026 का वर्ल्ड कप 48 टीमों और 104 मैचों के साथ अब तक का सबसे बड़ा टूर्नामेंट होगा। इसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको मिलकर करेंगे। अगर फीफा की दूसरे खेलों से तुलना करें तो फुटबॉल का दबदबा साफ नजर आता है। ??गोल्फ व टेनिस दोनों की कुल प्राइज मनी मिलाकर भी वर्ल्ड कप से कम है।

टूर्नामेंट में खेलने वाली टीमों को टैक्स में राहत

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी 48 टीमों को अमेरिका में टैक्स से राहत मिल सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार फीफा और अमेरिकी ट्रेजरी के बीच बातचीत के बाद फेडरल टैक्स में छूट देने पर सहमति बन रही है। इससे नेशनल फुटबॉल फेडरेशंस को करोड़ों रुपए का फायदा होगा और उनके खर्च का बोझ कम होगा। दरअसल, लंबी यात्रा, ठहरने और ऑपरेशनल लागत के साथ-साथ टैक्स नियमों को लेकर कई टीमों ने चिंता जताई थी, जिसके बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

शाम 7:30 बजे से शुरू होगा मैच

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को आईपीएल के 43 वें मैच में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो रॉयल्य जीत की प्रबल दावेदार है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं और 12 अंक लेकर वह तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और पक्की करना रहेगा। पिछले मैच में उसने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने जोरदार वापसी की है। कप्तान रियान पराग की राजस्थान के पास वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज, वहीं जोफ्रा आर्चर जैसे तेज गेंदबाज और स्पिनर के तौर पर रविन्द्र जडेजा हैं1

वहीं दूसरी और अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक केवल 3 मैच जीते हैं और उसके 6 अंक हैं इससे वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पिछले मैच में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ केवल 75 रन पर ही सिमट गयी थी। जिससे उसके बल्लेबाज इस मैच में भी दबाव में होंगे। उसकी ओर से अब तक केवल केएल राहुल ही बड़ी पारियों खेल पाये हैं। वहीं अन्य बल्लेबाजों डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। उसके लिए राहत की बात केवल इतनी सी है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क फिट हो गये हैं और वह वापसी के लिए तैयार हैं। स्टार्क अगर खेलते हैं तो दिल्ली की गेंदबाजी मजबूत होगी। इसके अलावा वह लुंगी एनगिडी एंटीगिटी के नहीं खेलने से होने वाली कमी भी भर देंगे। एंटीगिटी चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे। उसके लिए राहत की बात केवल इतनी सी है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क फिट हो गये हैं और वह वापसी के लिए तैयार हैं। स्टार्क अगर खेलते हैं तो दिल्ली की गेंदबाजी मजबूत होगी।

कैफ ने की भुवनेश्वनर की टीम इंडिया में वापसी की मांग

मुम्बई। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए आईपीएल के इस सत्र में तेज गेंदबाज भुवनेश्वनर कुमार ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए अब उनकी भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये। कैफ के अनुसार भुवनेश्वर इस बार सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के भी दावेदार हैं और उनकी गेंदबाजी काफी प्रभावी रही है। ऐसे में उनके नाम पर फिर से विचार होना चाहिये। उन्होंने का कि इस सत्र में भूवी ने अपनी स्विंग गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ से विरोधी बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया है। उन्होंने अलग-अलग हालातें में काफी अच्छी गेंदबाजी की है।

सांन्या में एशियन बीच गेम्स में खेलते हुए ईरान और ओमान के खिलाड़ी।

पेनल्टी से किए गोल; लंदन में होने वाले दूसरे लेग से फाइनलिस्ट का फैसला

चैंपियंसलीग सेमीफाइनल के पहले लेग में एटलेटिको-आर्सनल का मैच ड्रा

मेट्रोपॉलिटानो। यूईफए चैंपियंस लीग के पहले सेमीफाइनल में बुधवार रात एटलेटिको मैड्रिड और आर्सनल का मैच 1-1 से बराबर रहा। मेट्रोपॉलिटानो स्टेडियम में खेले गए मैच में दोनों गोल पेनल्टी से आए। विक्टर ग्योकेरेस ने आर्सनल को बढ़त दिलाई। जूलियन अल्वारेज ने एटलेटिको के लिए बराबरी की। अब दोनों टीमों की नजरें अगले मंगलवार लंदन में होने वाले दूसरे लेग पर हैं। जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी।

दोनों गोल पेनल्टी से हुए, आर्सनल का दूसरा पेनल्टी कॉल वीएआरने पलटा मैच के 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस को बॉक्स में गिराया गया और आर्सनल को पेनल्टी मिली। ग्योकेरेस ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया।

56वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे के शॉट पर बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी)रिव्यू से एटलेटिको को पेनल्टी मिली। जूलियन अल्वारेज ने गोल कर बराबरी की। 78वें मिनट में आर्सनल को एक और पेनल्टी मिली थी, लेकिन ङ्कक्ररिव्यू के बाद फैसला बदल दिया गया।

कोच अर्टेटा बोले- सेमीफाइनल में पहुंचना बड़ी बात, अब हमारे घर में मैच होगा

आर्सनल के कोच मिकेल अर्टेटा ने कहा कि इस मैदान पर खेलना आसान नहीं है और कई बड़ी टीमें यहां संघर्ष कर चुकी हैं। उन्होंने कहा,'हमें कई मौकों पर दबाव झेलना पड़ा, लेकिन हम एक शानदार स्थिति में हैं। चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में होना गर्व की बात है। अब दूसरा लेग हमारे फैंस के सामने (लंदन में) होगा और मैच हमारे हाथ में है।' इसी सीजन के लीग फेज में आर्सनल ने एटलेटिको को अपने घर में 4-0 से हराया था। जूलियन अल्वारेज़ ने सीजन का 10वां गोल किया, लेकिन इंजरी के चलते बाहर हुए

एटलेटिको के पास मैच जीतने के कई मौके थे।63वें मिनट में एंटोनी ग्रीज़मैन का शॉट पोल से टकराया।

एडमोला लुकमैन भी करीब से मौका चूक गए। ग्रीज़मैन को इस मैच में 'मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर' चुना गया। वे इस समर में स्लस्-क्लब ऑरलैंडो सिटी जॉइन करने वाले हैं।

20 साल बाद फाइनल में पहुंचने की कोशिश में आर्सनल

आर्सनल 2006 में आखिरी बार चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा था, जहां उसे बार्सिलोना से हार मिली थी। एटलेटिको मैड्रिड 2016 में आखिरी बार फाइनल में पहुंचा था और रियल मैड्रिड से हार गया था। दोनों क्लबों ने अब तक चैंपियंस लीग नहीं जीती है। दूसरे लेग का विजेता फाइनल में पीएसजी या बायर्न म्यूनिख से भिड़ेगा।

मरने के बाद भी स्वर्ग की राह नहीं है आसान, भ्रष्टाचार की भेट चढ़ी मुक्तिधाम

रायगढ़ /मूक पत्रिका

सरकार और प्रशासन विकास के बड़े-बड़े दावे करते नहीं थकते हैं लेकिन धरातल पर इन दावो की हवा निकलते नजर आ रही है रायगढ़ जिले के जनपद पंचायत धरमजयगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत छाल मे भ्रष्टाचार का एक नया मामला सामने आया है जहां जीवित इंसान तो दूर अब मरने के बाद भी अंतिम संस्कार के लिए बनने वाले मुक्तिधाम को भी नहीं छोड़ा गया मामला छाल पंचायत के थाना पर मंदिर के पीछे बन रहे मुक्तिधाम का है शासन की ओर से वर्ष 2022-23 में यहां मुक्ति धाम के निर्माण के लिए 3 लाख की स्वीकृति दी गई थी और ग्रामीणों को भरोसा था कि अंतिम संस्कार के लिए एक सुव्यवस्थित स्थान मिलेगा लेकिन भ्रष्टाचार की परकाष्ठा देखिए स्वीकृत 3 लाख में से 2 लाख 60 हजार रुपए की मोटी रकम को गोलमाल कर दिया गया जब की निर्माण आज भी आधा अधूरा है ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत सचिव से लेकर ऊपर तक बैठे जिम्मेदार अधिकारियों और बीच के बिचौलियों ने कमीशन के चक्कर में इस मुक्तिधाम निर्माण कार्य को बंदरबाट का जरिया बना लिया ग्रामीणों का कहना है कि इस भ्रष्टाचारियों की नजर अब शमशान की भूमि और मुर्दो के हक पर भी गिद्ध की तरह नजर गड़ाए हुए हैं 80त्न से भी ज्यादा के राशि निकल जाने के बाद भी आज तक कम आधा अधूरा व बंद रहना सीधे तौर पर प्रशासन की आंखों में धूल झोंकना है मौके पर जाकर देखने में जमीनी हकीकत का पता चलता है कि निर्माण कार्य के नाम पर महज खाना पूति की गई है यहां आधा अधूरे पिल्लहर हुआ गिट्टी की ढेर इस बात की गवाही दे रही है कि असली मकसद मुक्तिधाम बनाना नहीं है बल्कि शासकीय राशि का बंदरबाट करना था इस कारण ने आज निर्माण कार्य अधूरा व बंद पड़ा है

आखिर इस बंदरबाट का जिम्मेदार कौन है?

सोचने योग्य बातें = उच्च अधिकारियों के मिली भगत से बिल का भुगतान किया गया वह अपने हिस्से की मलाई लेकर बिना काम पूरा हुआ भुगतान की फाइल पर आंख मुंदकर फाइल पर हस्ताक्षर कर दिया गया है अब आगे यह देखना लाजमी होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में कोई ठोस कदम उठाता है या फिर यह मामला भी कमीशन के फाइलों के नीचे दब कर अपना दम तोड़ देगी

सुशासन तिहार के पहले शिविर का आयोजन भटगांव में हुआ

39 पीएम आवास प्रमाण पत्र , 5 आयुष्मान कार्ड, और निश्चय मित्र किट वितरित

सारंगढ़-बिलाईगढ़,/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन में नगर पंचायत भटगांव के सांस्कृतिक भवन में सुशासन तिहार 2026 के तहत पहला शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में वार्ड क्रमांक 1 से 8 तक के नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया। साथ ही विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का आकर्षक स्टॉल भी लगाया गया, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए गए, जहां अधिकारियों ने आम नागरिकों को शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, बिलाईगढ़ एसडीएम प्रफुल रजक, भटगांव तहसीलदार नीलिमा अग्रवाल, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

योजनाओं के तहत वितरण

कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत भटगांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 39 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा 5 लोगों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निश्चय मित्र किट का भी वितरण किया गया।

विश्व श्रमिक दिवस पर 'जन सहयोग' ने किया मज़दूरों का सम्मान

कांकेर ,/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / कांकेर सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था ÷जन सहयोग÷ द्वारा आज 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस पर मज़दूरों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने वक्तव्य दिया कि दुनिया का कारोबार सिर्फ़ पैसे के बल पर नहीं चलता है, उसमें मज़दूर की भी ज़रूरत होती है और हम देखते हैं कि हमारे मज़दूर भाई रात दिन अधिक से अधिक मेहनत करते हैं। इसमें वे जानलेवा ठंड, बर्बादी की बाढ़ बरसात आग जैसी गर्मी सब कुछ झेलते हैं। अनेक प्रकार के दुख दर्द सहते हैं, तब कहीं जाकर उन्हें जीवन निर्वाह योग्य आजीविका मिलती है। आज भी हम देख रहे हैं कि भीषण गर्मी में भी हमारे मज़दूर भाई काम में लगे हुए हैं ताकि समय पर घर में भोजन बन सके, परिवार और बाल बच्चों का ख़याल रख सकें। मज़दूर वर्ग के इन सत्य तथ्यों पर ध्यान देते हुए हम ÷जन सहयोग÷ वालों ने आज 1 मई विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर उनका सम्मान शीतल पेयजल, गमछा, तौलिया, आदि प्रदान कर किया है और उनसे आशीर्वाद लिया है। अजय पप्पू मोटवानी ने कहा कि हमारे मज़दूर स्वाभिमानी होते हैं और अपनी मेहनत के बल पर ही गुज़ारा करना चाहते हैं, हम लोगों की दी हुई छोटी सी सौगात को उन्होंने प्रेम पूर्वक कबूल किया है। आज के इस कार्यक्रम में ÷जन सहयोग÷ के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा वरिष्ठ समाज सेवक टी के जैन, प्रवीण गुप्ता, राजेश चौहान, आशुतोष देव,, ऋतिक सोनी, शैलेंद्र देहारी आदि नवयुवक समाजसेवियों ने कड़ी धूप में भी उत्साह पूर्वक भाग लिया। मज़दूर दिवस पर आयोजित यह छोटा सा सादगी पूर्ण कार्यक्रम पूरे शहर में चर्चा का विषय है।

आंधी-तूफान से सरिया क्षेत्र की बिजली व्यवस्था ठप, कई गांवों में भारी नुकसान, अधिकारी कर्मचारी भिड़े फील्ड में..

सारंगढ़-बिलाईगढ़,/मूक पत्रिका

गुरुवार दोपहर आए तेज आंधी-तूफान ने सरिया तहसील क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के चलते बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए, जिससे बिजली पोल और तारों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। कई जगह ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके कारण इलाके की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

बरपाली, कांदूरपाली और बुदबुदा में ज्यादा असर

तूफान का सबसे ज्यादा असर सरिया क्षेत्र के बरपाली, कांदूरपाली, पंचधार और बुदबुदा गांवों में देखने को मिला। यहां बिजली लाइनें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राहत और सुधार कार्य में जुटी टीम

घटना के बाद से ही बिजली विभाग की टीम लगातार सुधार कार्य में लगी हुई है। डिविजनल इंजीनियर पी के महानंदा, असिस्टेंट इंजीनियर बरमकेला गजाधर सिंदर, जूनियर इंजीनियर सरिया मदन नायक, जूनियर इंजीनियर साल्हेओना किशन भोई स्वयं करीब 30-35 कर्मचारी और ठेकेदार मार्तंड पटेल व लोकेश पटेल मौके पर डटे रहे और बिजली व्यवस्था सुचारू करने खबर लिखे जाने तक काम करते रहे। टीम का प्रयास था कि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल की जा सके।

ग्रामीणों ने भी संभाली जिम्मेदारी

गुरुवार को बुदबुदा गांव में ग्रामीणों ने भी पहल दिखाते हुए सड़क पर गिरे विशाल पेड़ों को हटाया, जिससे देर रात तक यातायात व्यवस्था बहाल हो सकी। हालांकि बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम खबर लिखे जाने तक जारी था। अधिकारियों के अनुसार, लगातार काम चल रहा है और जल्द ही प्रभावित क्षेत्रों में बिजली सप्लाई शुरू करने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल विभाग और ग्रामीण मिलकर हालात को सामान्य बनाने में जुटे हुए हैं।

सड़क किनारे बुजुर्ग का शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी बरमकेला पुलिस

सारंगढ़-बिलाईगढ़,/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई जब सड़क किनारे एक बुजुर्ग का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना मिलते ही बरमकेला पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस

ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त करने का प्रयास शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह ग्राम करनपाली के भेलवां टिकरा के पास हट्टापाली मार्ग पर करीब 70 से 75 वर्षीय अज्ञात बुजुर्ग का शव पड़ा हुआ देखा गया, जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी।मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस द्वारा शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बरमकेला पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। साथ ही मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों में सूचना भेजी गई है।

1.88 करोड़ के 23 निर्माण कार्यों पर उठे सवाल, भोपालपटनम नगर पंचायत में सीएमओ पर मनमानी के आरोप, ठेका प्रक्रिया में पारदर्शिता पर घेरा

सभी काम एक ही ठेकेदार को देने का आरोप

टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं होने का दावा

स्थानीय ठेकेदारों को मौका नहीं मिलने की शिकायत

नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर उठे सवाल

मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

बीजापुर/मूक पत्रिका

नगर पंचायत भोपालपटनम में विकास कार्यों को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष नरसिंह रेड्डी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) पर गंभीर आरोप लगाते हुए ठेका प्रक्रिया में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में नियमों को दरकिनार कर मनमाने तरीके से ठेके दिए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय ठेकेदारों के साथ भेदभाव हो रहा है.रेड्डी ने आरोप लगाया कि विधिवत निविदा प्रक्रिया अपनाने के बजाय टेंडर के माध्यम से आवेदन लिए जा रहे हैं, जो नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और इसे इस तरह संचालित किया जा रहा है कि स्थानीय ठेकेदार इसमें भाग ही नही ले पा रहे है.प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नगर पंचायत द्वारा करीब 23 निर्माण कार्यों के लिए 1 करोड़ 88 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। आरोप है कि इन सभी कार्यों को एक ही पसंदीदा ठेकेदार को देने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई, जो पक्षपात और अनियमितता की ओर इशारा करता है। मामले में जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। रेड्डी ने कहा कि नगर पंचायत के 15 वार्डों में अधिकांश पार्षद कांग्रेस से हैं, साथ ही अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी कांग्रेस दल से जुड़े हैं। इसके बावजूद इस पूरे मामले पर उनकी चुप्पी संदेह पैदा करती है.उन्होंने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों के साथ जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों पर भी कार्रवाई हो। साथ ही, स्थानीय ठेकेदारों को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी और नियमसम्मत निविदा प्रक्रिया सुनिश्चित करने की बात कही है, ताकि सभी को समान अवसर मिल सके।

श्रमिक दिवस पर चिन्ना कोड़ेपाल में महिलाओं की बैठक, अधिकार और योजनाओं की दी जानकारी,बच्चों की पढ़ाई पर भी हुई बात

बीजापुर/मूक पत्रिका

बीजापुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत चिन्ना कोड़ेपाल में गुरुवार को श्रमिक दिवस के अवसर पर महिलाओं की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया।बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी मौजूद रहीं और उन्होंने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस दौरान ब्लॉक समन्वयक हर्षिता ने महिलाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं, उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं से आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की।कार्यक्रम में छात्रा रिधिमा खटक ने बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और विकास पर बात रखी। उन्होंने कहा कि बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र भेजना जरूरी है, ताकि उनका समग्र विकास हो सके। परिवार की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि शुरुआती शिक्षा ही बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत करती है।

कार्यक्रम के जरिए महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सामूहिक प्रयास का संदेश दिया गया।

धड़ल्ले से नदी घाटों का सीना छलनी कर रहे रेत तस्कर, प्रशासनिक मौन से रेत तस्करो के हौसले बुलंद

रेत के अवैध सौदागरों के सिर पर किसका हाथ?

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले में इन दिनों रेत के अवैध कारोबार ने चिंताजनक रूप ले लिया है। नदियों और घाटों से खुलेआम जेसीबी मशीनों के जरिए रेत की खुदाई की जा रही है, और भारी-भरकम डंपरों में भरकर दिन-रात इसकी ढुलाई जारी है। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े स्तर पर हो रहे इस अवैध खनन के बावजूद कार्रवाई का डंडा केवल छोटे ट्रैक्टर चालकों पर ही चल रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां एक ओर जेसीबी और डंपर बेखौफ होकर नियमों को कुचलते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की नजर सिर्फ उन ट्रैक्टर चालकों पर पड़ती है, जो किसी तरह अपना पेट पालने के लिए इस काम में लगे हैं। इससे पूरे सिस्टम की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का यह भी कहना है कि खरसिया, घरघोड़ा, पुसौर के अलावा महापल्ली इलाकों से रोजाना कई ट्रैक्टर अवैध रूप से बालू निकालकर औने-पौने दामों में बेचा जा रहा है, परंतु दुर्भाग्य की बात यह है कि इस पर न संबंधित विभाग किसी प्रकार की कार्रवाई कर पा रहा है और न ही रायगढ़ पुलिस अधीक्षक इस दिशा में किसी तरह की कोई कार्रवाई कर रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि रात के अंधेरे में नदी घाटों पर मशीनों की गूंज साफ सुनी जा सकती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग या तो अनजान बने हुए हैं या फिर जानकर भी आंखें मूंदे बैठे हैं। ग्रामीणों में इस बात को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है कि आखिर बड़े खिलाड़ियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

रेत के इस बेजा दोहन से जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं नदी का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। अगर समय रहते इस पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में हालात और भयावह हो सकते हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस 'चयनात्मक कार्रवाई' के आरोपों से कैसे बाहर निकलता है और क्या वाकई बड़े स्तर पर चल रहे इस खेल पर लगाम कसने की हिम्मत दिखाता है, या फिर यूं ही छोटे लोगों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।